दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 47 रायपुर, सोमवार, 23 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 मंत्री रामविचार नेताम ...

कंगना रनौत संग दोस्ती ... 11

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

मन की बात : एआई समिट में दिखी भारत की ताकत... पीएम मोदी ने साइबर ठगों से बचने का दिया नया फॉर्मूला

डिजिटल दौर में सतर्कता बेहद जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जैसे मौसम वैसे खान–पान... उसी तरह बदलें अपना पासवर्ड, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (रविवार को) साल 2026 के अपने दूसरे 'मन की बात' कार्यक्रम में टेक्नोलॉजी और ट्रेडिशन के अद्भुत संगम की चर्चा की. यह मन की बात कार्यक्रम का 131वां एपिसोड था. इसमें पीएम ने कहा कि आज जहां हम एक तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की ओर बढ़ रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हमारे देशवासियों में होली के त्योहार को लेकर गजब का जोश दिख रहा है. पीएम ने साफ किया कि आने वाला समय डिजिटल है, लेकिन हमारी जड़ें संस्कृति में ही रहेंगी. साथ ही पीएम ने साइबर ठगी से बचने के लिए देशवासियों को एक नया मंत्र भी दिया.

पीएम ने दिया सेहत और सिक्योरिटी का अनोखा मंत्र

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि जिस तरह हम बदलते मौसम के साथ अपनी डाइट (खान–पान) और कपड़े बदल लेते हैं, ठीक उसी तरह हमें अपने डिजिटल जीवन में भी बदलाव की आदत डालनी चाहिए. उदाहरण देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जैसे हम सर्दी में गरम खाना खाते हैं और गर्मी में ठंडी चीजें पसंद करते हैं, वैसे ही समय–समय पर अपने ऑनलाइन अकाउंट्स के पासवर्ड बदलते रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि अक्सर हम एक बार पासवर्ड बना लेते हैं और बरसों तक उसे नहीं बदलते. यही वह खिड़की है जहां से साइबर अपराधी आपके घर (बैंक खाते या डेटा) में सेंध लगाते हैं.

केवायसी के नाम पर फैल रहा जाल

पीएम ने बताया कि आज के समय में पेंशन, सब्सिडी, बीमा और यूपीआई जैसी सुविधाएं बैंक खाते से जुड़ी हुई हैं. इसलिए बैंक समय–समय पर **KYC** और री–**KYC** की प्रक्रिया करते रहते हैं. लेकिन कई बार इसी का फायदा उठाकर ठग फर्जी मैसेज और कॉल भेजते हैं. वे लिंक पर क्लिक करने या ओटीपी बताने को कहते हैं. यही वह पल होता है, जहां से ठगी की शुरुआत हो जाती है।

पीएम ने डिजिटल अरेस्ट पर भी बात की

पीएम मोदी ने देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को लेकर एक बार फिर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. उन्होंने खास तौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरीकों का जिक्र करते हुए कहा कि जागरूकता बढ़ी जरूर है, लेकिन अभी भी बहुत काम बाकी है. कई लोग आज भी स्कैमर्स के जाल में फंस रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि कई बार ठग खुद को बैंक या कोई और संस्था का बड़ा अधिकारी बताकर फोन करते हैं. वे लोगों को डराते हैं कि उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज हो गया है या उनका अकाउंट ब्लॉक होने वाला है. फिर वे लोगों की प्राइवेट जानकारी या पैसे मांगते हैं. घबराहट में लोग अपनी डिटेल शेयर कर देते हैं और बाद में ठगी का शिकार हो जाते हैं. इसमें व्यापारियों तक को नहीं छोड़ा जा रहा है.

क्या करें और क्या न करें

प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि चद्धष्ट हमेशा बैंक के आधिकारिक ऐप, वेबसाइट या सीधे बैंक शाखा में जाकर ही कराएं. किसी भी अनजान कॉल, लिंक या मैसेज पर भरोसा न करें. अपना पासवर्ड समय–समय पर बदलते रहें और ओटीपी या बैंक डिटेल किसी को कभी भी साझा न करें. उन्होंने यह भी कहा कि पर्सनल जानकारी केवल अधिकृत व्यक्ति को ही दें. अगर किसी कॉल या मैसेज पर जरा भी शक हो, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क करें. उन्होंने कहा कि जब नागरिक जागरूक और सशक्त होंगे, तभी देश मजबूत और आत्मनिर्भर बनेगा।

देश के कोने-कोने की सकारात्मक पहल को सामने लाता है 'मन की बात' : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 131वें एपिसोड का श्रवण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, अखिलेश सोनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त संवाद बन चुका है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के कोने–कोने में हो रहे प्रेरक प्रयासों और असाधारण उपलब्धियों को सामने लाने वाला मंच है, जो समाज में सेवा, नवाचार और सहभागिता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग प्रत्येक माह इसके प्रसारण का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता और भविष्य की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए देश को नई दिशा का संदेश दिया है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की तकनीकी शक्ति को विश्व ने सराहा और 'मेड इन इंडिया' के तीन एआई मॉडल लॉन्च होना देश की नवाचार क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से तकनीकी नेतृत्व की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत में धान की 500 से अधिक किस्मों की खेती हो रही है और देश विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन चुका है।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, जैश के शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छात्रू क्षेत्र में आज सुरक्षाबलों और जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। जिसमें संगठन का शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकवादी मारे गए।

सूत्रों के अनुसार कमांडर ने पहले भी कई बार सुरक्षा बलों को चकमा दिया था। मुठभेड़ के दौरान आतंकियों की ओर से भारी गोलीबारी की गई, लेकिन सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आतंकियों को ठिकाने लगाया।

इस संयुक्त ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, सीआरपीएफ, और 2 पैरासाफोर्स शामिल थे। सेना के व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने रणनीतिक सटीकता और पूर्ण समन्वय के साथ मुठभेड़ स्थल पर नियंत्रण किया। इस कार्रवाई में दो आतंकवादी सफ्लतापूर्वक निष्क्रिय किए गए और उनके पास से 2 एके–47 राइफलें और 5 एके मैगजीन बरामद हुई।

सुरक्षा बलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया है और अभी भी यह सुनिश्चित करने के लिए तलाशी अभियान जारी है कि क्षेत्र में कोई और आतंकवादी मौजूद न हों।

डाक क्षेत्र में सहयोग करने भारत और ब्राजील के बीच समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और ब्राजील ने डाक क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह डाक सेवाओं, डिजिटल परिवर्तन और समावेशी सेवा वितरण में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

भारत सरकार के संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और ब्राजील के संचार मंत्री महामहिम फ्रेडरिको डी सिकेरा फिल्हो ने ब्राजील गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ईडी का बड़ा फैसला: इस वित्त वर्ष 500 चार्जशीट दाखिल करने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामलों में तेजी लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी ने मौजूदा वित्त वर्ष में 500 चार्जशीट दाखिल करने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही, जांच अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि केस दर्ज होने के बाद जांच को एक से दो साल के अंदर पूरा कर लिया जाए। हालांकि, बहुत पेचीदा मामलों में इसमें छूट मिल सकती है।

यह फैसला पिछले साल 19 से 21 दिसंबर के बीच असम के गुवाहाटी में हुई जोनल अधिकारियों की 34वीं तिमाही बैठक में लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ईडी डायरेक्टर राहुल नवीन ने की। एजेंसी अब दिल्ली से बाहर हर तीन महीने में ऐसी बैठकें कर रही है। इससे पहले केवड़िया (गुजरात) और श्रीनगर में बैठकें हुई थीं। गुवाहाटी में सम्मेलन आयोजित करना पूर्वोत्तर क्षेत्र की रणनीतिक और परिचालन अहमियत को भी दर्शाता है। यह बैठक मौजूदा वित्त वर्ष समाप्त होने से पहले आखिरी समीक्षा बैठक थी।

बैठक में अधिकारियों को बताया गया कि पुराने लंबित मामलों को खत्म करने और नई जांच को समय पर पूरा करने के लिए यह लक्ष्य जरूरी है। उन्हें निर्देश दिया गया कि जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाए, समय पर अभियोजन शिकायत दाखिल हों और कुर्की या जुर्माने जैसी कार्रवाई कानूनी रूप से ठोस हो। पीएमएलए कानून के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल सावधानी, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ करने, समन और कानूनी नोटिस केवल स्पष्ट आवश्यकता और उचित आधार पर जारी करने पर जोर दिया गया।

टॉप नक्सल कमांडर डेढ़ करोड़ के इनामी देवजी ने 16 साथियों के साथ समर्पण किया

जगदलपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय समिति के सदस्य डेढ़ करोड़ के इनामी देवजी ने अपने 16 नक्सली साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों का भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा।

नक्सली देवजी मूल रूप से करीमनगर जिले का निवासी है और लंबे समय से नक्सली संगठन की केंद्रीय गतिविधियों में सक्रिय था। करीब आठ महीने पहले ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कैडरों को अगले एक–दो दिनों में अधिकारिक रूप से पेश किया जाएगा। राज्य सरकार प्रदेश में 31 मार्च तक नक्सलवाद को खत्म करने के लिए सुरक्षाबल के साथ बाकी बचे नक्सली कैडरों की घेराबंदी कर रही है। लगातार मुठभेड़ों और प्रमुख नेताओं के आत्मसमर्पण से नक्सलवाद अब अंतिम चरण में पहुंचता दिख रहा है।

नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य नक्सली कमांडर देवजी के आत्मसमर्पण पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बसव राजू के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद देवजी बड़ा नक्सली कैडर था, जिसने तेलंगाना में आत्मसमर्पण कर दिया है। कुछ नाम और शेष हैं, जो निष्क्रिय है, लेकिन उन्हें भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों को मुख्य धारा से जोड़ने के संबंध में काम किया जा रहा है।

सिंधी काउसिंल ऑफ इंडिया ने एक दिनी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया

बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अनुकरणीय पहल : किरण देव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शदाणी दरबार तीर्थ के संत युधिष्ठिर लाल के मार्गदर्शन में सिंधी काउसिंल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ ईकाई ने एक–दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि मानव कल्याण के लिए सबको आगे आना चाहिए। इस दिशा में सिंधी काउंसिल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बेहतर कार्य कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम सबको हमेशा सजग रहना चाहिए। ऐसे समय–समय पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर से जुड़कर अपनी स्वास्थ्य जाँच जरूर करानी चाहिए। स्वस्थ समाज से ही हम विकसित भारत के संकल्प की चर्चा करते हैं इसलिए इस तरह हमें स्वास्थ्य सेवा को बेहतर करने की दिशा में जुटना होगा, यह एक मानव कल्याण का कार्य है।

भाजपा विधायक सुनील सोनी ने इस मौके पर कहा कि समाज की पहल अनुकरणीय है। इसका लाभ अधिकाधिक लोगों को लेना चाहिए। आने वाले समय में और भी बेहतर स्वास्थ्य शिविरों के आयोजनों का आग्रह श्री सोनी ने किया। इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जाँच करवाई। शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिर लाल की गरिमामयी उपस्थिति शिविर में रही। इस मौके पर भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू, सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष ललित जैसिंघ, मुखी महेश दरयानी, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, जीतू लोहाना, काजल सचदेव, लक्ष्मी बजाज, डॉ. एन.डी. गजवानी, सुनील कुकरेजा, विक्की लोहाना, धनेश मटलानी, रितेश वाधवा, किशोर आहूजा, पार्षद अमर गिदवानी, पार्षद सचिन मेघानी, पार्षद डॉ. अनामिका सिंह सहित समाज के सदस्य, चिकित्सक सहित आमजन उपस्थित थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह हुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नत

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के विकासखण्ड लुण्ड्रा के अंतर्गत ग्राम बरगीडीह में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह का उन्नयन कर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में लोकार्पित किया गया। साथ ही पी.एम. जनमन कार्यक्रम के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने की। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, सतीश जायसवाल, संजय गुप्ता, बी.डी.सी. मो. हलीम फिरदौसी, जयंतनाथ सिंह, जनपद सदस्य कुसुम कांता, सरपंच बरगीडीह संगीता पैकरा, सरपंच खाराकोना तुलेश्वर पैकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. एस. मार्को एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी धौरपुर डॉ. राघवेन्द्र चौबे सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक श्री प्रबोध मिन्ज ने अपने संबोधन में कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में उन्नयन से क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं विस्तृत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। आने वाले समय में स्टॉफ की संख्या में वृद्धि एवं विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार से स्थानीय ग्रामीणों को जिला अस्पताल तक लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने क्षेत्र में सड़क, पुल–पुलिया निर्माण, हायर सेकेण्डरी स्कूल स्थापना तथा विभिन्न स्थानों पर एनीकेट निर्माण जैसे विकास कार्यों की भी जानकारी दी।

पी.एम. जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभ की गई मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विकासखण्ड लुण्ड्रा के दूरस्थ एवं पहुँचविहीन आदिवासी अंचलों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। इससे ग्रामीणों को उनके ग्राम स्तर पर ही जांच, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

'स्वछ जल स्वछ मन' का चौथा चरण 1500 स्थानो पर चलाया गया

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

संत निरंकारी मिशन की शाखा रायपुर द्वारा महादेवघाट के तट पर सबेरे 8 बजे से 11 बजे तक खारून नदी की सफ़ाई में लगभग 500 सेवादारों ने श्रमदान किया। जिसमे कई टन कचरा नदी से निकाला गया। इस पुनीत कार्य में नगर निगम के सफ़ाई मित्रों ने भी योगदान दिया, और कचरा प्रबंधन में सहयोग किया। नदी से निकाला गया कचरा मानव द्वारा ही नदी मे डाला गया था, और ये हमारी ही ज़िम्मेदारी है कि हम जल श्रोतों को बचाएं। इनमे किसी भी प्रकार से गंदा न करें और न किसी को करने दें।

ज़ोनल इंचार्ज श्री गुरबख्श सिंह कालरा जी के आदेश पर संत निरंकारी मिशन के अनुयाई सुबह सबेरे से ही इस पुनीत कार्य हेतु नदी के तट पर पहुँचने लगे। तीन घंटे में पाँच सौ लोगों द्वारा अर्थात् पंद्रह सौ घंटे के बराबर श्रमदान किया गया। स्वच्छ जल स्वच्छ मन का ये चौथा चरण था। यह अभियान आज सम्पूर्णवर्ष के 1500 स्थानो मे चलाया गया।

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी कहा करते थे कि सुंदर धरा पर आये है इसे सुंदर छोड़ के जाना है। समाज के लोगों को जागरूक करने हेतु ऐसे आयोजन संत निरंकारी मिशन द्वारा किये जाते हैं,और मानव समाज को प्रेरणा दी जाती है कि जो संसाधन प्रकृति ने हमें दिए है उनका उपयोग हम सही तरीके से करें न कि उन्हें नष्ट करें।

प्रकृतिक धरोहर को बचाने मे संत निरंकारी मिशन अनेक कार्य जैसे सफ़ाई अभियान, वृक्षा रोपण जैसे कार्य अनेक वर्षों से निरंतर करता आ रहा हैं। सेवादल के अधिकारियों द्वारा अलग अलग टीमे बनाकर नदी के सभी ओर भेजी गई ताकि सभी ओर से नदी कि सफ़ाई सुनिशित हो सके।

वीबी-जी राम जी को लेकर भाजपा किसान मोर्चा ने लगाई चौपाल

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा रायपुर के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू के नेतृत्व में वीबी– जी राम जी अधिनियम को लेकर किसान चौपाल का आयोजन रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धरमपुरा में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विधायक श्री मोतीलाल साहू और मुख्य वक्ता किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर ने किसानो को वीबी–जी राम जी के बारे में जानकारी दी।

उक्त कार्यक्रम में किसान मोर्चा की उपाध्यक्ष मनीषा चंद्राकर, महामंत्री ओपी देवांगन, मंत्री प्रशांत ठाकुर, देवेन्द्र ठाकुर, कार्यालय मंत्री रवीश गुप्ता, तरुण वैद्य, योगेश्वरानंद नेताम, विनय साहू, विलास सुतार, संदीप सांडे, अर्चना शुक्ला, जनपद सदस्य शिखा निर्मलकर, माना मंडल अध्यक्ष भीमवंत निषाद सहित किसान मोर्चा के कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं धरमपुरा के किसान ग्रामीण उपस्थित रहे।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जरूरतमंद हितग्राहियों को मिल रहा नियमित लाभ

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

जिले में सामाजिक न्याय एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को नियमित रूप से आर्थिक एवं सामाजिक सहायता प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी सोच एवं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, मूल मंत्र के अनुरूप तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में इन योजनाओं का सफल संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से वृद्धजनों, विधवाओं, दिव्यांगजनों एवं आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

जिले में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत वर्तमान में कुल 33,305 हितग्राहियों को पेंशन का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी प्रकार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अंतर्गत 9,615 विधवाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के तहत 967 दिव्यांगजन लाभान्वित हो रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के माध्यम से 24,474 पात्र हितग्राहियों को लाभ दिया जा रहा है। सुखद सहारा योजना के अंतर्गत 9,186 हितग्राहियों को सहायता प्रदान की जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री पेंशन योजना के अंतर्गत 20,053 लाभार्थियों को नियमित रूप से पेंशन राशि का भुगतान किया जा रहा है।

शिक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए संचालित योजनाओं में दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2025–26 में 576 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025–26 में 20 विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी गई। दिव्यांगजनों के सामाजिक पुनर्वास एवं प्रोत्साहन के लिए संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष वर्ष 2025–26 में अब तक 6 हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया। इसी प्रकार राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के अंतर्गत वर्ष 2025–26 में 76 पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। वहीं दिव्यांगजनों की कार्यक्षमता एवं जीवन स्तर में सुधार हेतु कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण योजना के अंतर्गत वर्ष वर्ष 2025–26 में 941 हितग्राहियों को आवश्यक उपकरण वितरित किए गए।

समस्त योजनाओं का क्रियान्वयन शासन के दिशा–निर्देशों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ किया जा रहा है। विभाग द्वारा सतत निगरानी एवं समीक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ प्राप्त हो। इन योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के साथ ही समाज के कमजोर वर्गों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

26 से 28 फरवरी तक तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड महाअभियान शिविर का होगा आयोजन

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में स्वास्थ्य सुरक्षा को जन–जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आयुष्मान कार्ड महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार व जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री के.डी. पैकरा के मार्गदर्शन में 26 से 28 फरवरी तक तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड महाअभियान चलाया जाएगा।

इस अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा स्वास्थ्य दल पारा, मोहल्ला एवं घर–घर जाकर वंचित हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगे, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना के लाभ से वंचित न रह सके।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पंजीकृत चिकित्सालयों में निःशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। प्राथमिकता एवं अंत्योदय राशन कार्डधारी परिवारों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है, जबकि सामान्य राशन कार्डधारी हितग्राहियों को 50 हजार रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की विशेष सुविधा दी जाती है।

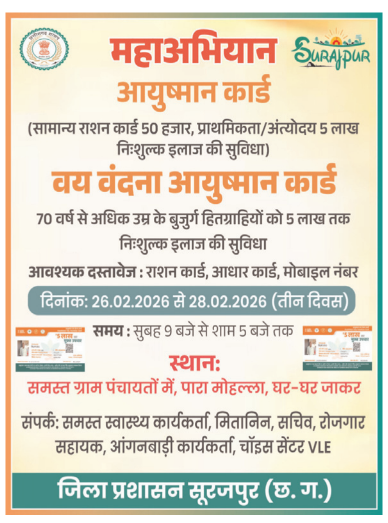

अब तक जिले में कुल राशन कार्डधारियों के विरुद्ध 93 प्रतिशत हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, वहीं 84 प्रतिशत वय वंदना कार्ड का निर्माण किया जा चुका है। शेष वंचित हितग्राहियों को इस महाअभियान के माध्यम से योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

जिला प्रशासन ने समस्त पात्र एवं आयुष्मान कार्ड से वंचित हितग्राहियों से अपील की है कि वे इस महाअभियान का लाभ उठाएं और 26 से 28 फरवरी के बीच नजदीकी शिविर में पहुंचकर अथवा घर पर ही अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं, क्योंकि यह कार्ड किसी भी गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार है।

हाईस्कूल मुख्य परीक्षा 2026 का हिन्दी विषय पेपर शांतिपूर्वक संपन्न

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा संचालित हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा 2026 अंतर्गत दिनांक 21 फरवरी 2026 को हिन्दी विषय की परीक्षा जिले के 75 परीक्षा केन्द्रों में सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण किए गए प्रमुख केन्द्रों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केदारपुर, कन्या दरिमा, बालक दरिमा, सखौली, धौरपुर, जोरी, डूमरडीह, पडौली, पुहपुटरा, कन्या लखनपुर, उदयपुर, कन्या सीतापुर, प्रतापगढ़, बालक बतौली, कन्या बतौली, क्रिश्चियन सूर्यापारा सीतापुर एवं डी. हिलाक्स पब्लिक स्कूल अम्बिकापुर शामिल हैं।

इसी प्रकार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खलिबा, गांधीनगर, कन्या शिक्षा परिसर केदारपुर, सेंट जेवियर्स एवं होलीक्रास कॉन्वेंट विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। सभी केन्द्रों में परीक्षा निर्धारित समयानुसार, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित होना पाया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी, अम्बिकापुर द्वारा होलीक्रास कॉन्वेंट विद्यालय के प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि विद्यार्थियों के आधार आईडी, जन्म प्रमाण पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र शत–प्रतिशत तैयार कराना सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक असुविधा का सामना न करना पड़े।

हाईस्कूल परीक्षा से संबंधित पंजीकृत कुल 9637 परीक्षार्थी थे जिसमें परीक्षा में 9359 सम्मिलित हुए, वहीं 278 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। साथ ही आगामी परीक्षाओं के लिए भी सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

नग्न प्रदर्शन के खिलाफ भाजपा किसान मोर्चा ने किया राहुल का पुतला दहन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान युवा कांग्रेस द्वारा शर्ट उतारकर किए गए अमर्यादित प्रदर्शन पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में राहुल गांधी का पुतला दहन कर नारेबाजी की गई।

इस अवसर पर श्री ठाकुर ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ लोकतांत्रिक परंपराओं एवं सार्वजनिक मर्यादाओं के सर्वथा विपरीत हैं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आवश्यक एवं सख्त कदम उठाए जाएँ। श्री ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध के अनेक संवैधानिक एवं मर्यादित तरीके उपलब्ध हैं, किंतु सार्वजनिक मंचों पर अशोभनीय कृत्य स्वीकार्य नहीं हैं।

उक्त प्रदर्शन में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रदेश उपाध्यक्ष सुश्री मनीषा चंद्राकर, प्रदेश मंत्री देवेंद्र ठाकुर (देवभोग), राजेश साहू, प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह, कार्यालय प्रभारी रवीश गुप्ता, सह प्रभारी नवीन कालिया, सत्कार प्रभारी विलास सुतार, श्रीजी राम, सह प्रभारी योगेश्वरानंद नेताम, सह संयोजक तरुण वैद्य, जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष दलविंदर सिंह बेदी, पार्षद संतोष साहू, पार्षद रोहित साहू, पार्षद देवदत्त द्विवेदी, अनूप खेलकर, सह कार्यालय मंत्री (जिला रायपुर), जिला उपाध्यक्ष अकबर अली, शंकर नगर मंडल अध्यक्ष श्रीराम प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिधियों को विधानसभा क्षेत्र राजिम एवं बिन्द्रानवागढ़ की मतदाता सूची की प्रतियां सौंपी

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का संचालन किया जा रहा है। जिले के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 54 राजिम तथा 55 बिन्द्रानवागढ़ की मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बीएस उइके द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत आज 21 फरवरी 2026 को विधानसभा क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कराकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ऋक्षा ठाकुर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 दिसंबर 2025 को प्रारंभिक प्रकाशन किया गया था, जिसके अनुसार जिले में कुल 4 लाख 33 हजार 247 मतदाता दर्ज थे। इनमें 2 लाख 14 हजार 480 पुरुष, 2 लाख 18 हजार 759 महिला एवं 8 अन्य मतदाता शामिल थे। विधानसभा क्षेत्र 54 राजिम में उस समय 2 लाख 15 हजार 648 मतदाता दर्ज थे, जिनमें 1 लाख 6 हजार 876 पुरुष, 1 लाख 08 हजार 766 महिला एवं 6 अन्य मतदाता शामिल थे। विधानसभा क्षेत्र 55 बिन्द्रानवागढ़ में 2 लाख 17 हजार 599 मतदाता दर्ज थे, जिनमें 1 लाख 7 हजार 604 पुरुष, 1 लाख 9 हजार 993 महिला एवं 2 अन्य मतदाता सम्मिलित थे।

प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात दावा एवं आपत्ति की अवधि निर्धारित की गई, जिसके दौरान नाम जोड़ने, विलोपन एवं संशोधन हेतु आवेदन प्राप्त हुए। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार नाम जोड़ने के लिए कुल 610 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 653 व्यक्तियों के नाम जोड़े जाने की प्रक्रिया दर्ज है। विलोपन के लिए कुल 91 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें 47 स्वीकृत एवं 44 निरस्त किए गए। संशोधन हेतु कुल 4 हजार 182 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 4 हजार 129 स्वीकृत एवं 53 निरस्त किए गए। इसके अतिरिक्त प्राप्त अन्य आवेदनों का भी नियमानुसार परीक्षण एवं निराकरण किया गया।

सभी आवेदनों के परीक्षण एवं निराकरण के उपरांत आज 21 फरवरी 2026 को अंतिम प्रकाशन किया गया। अंतिम सूची के अनुसार जिले में कुल 4 लाख 37 हजार 624 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 2 लाख 16 हजार 304 पुरुष, 2 लाख 21 हजार 312 महिला एवं 8 अन्य मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र 54 राजिम में कुल 2 लाख 17 हजार 892 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जिनमें 1 लाख 7 हजार 749 पुरुष, 1 लाख 10 हजार 138 महिला एवं 6 अन्य मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र 55 बिन्द्रानवागढ़ में कुल 2 लाख 19 हजार 731 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1 लाख 08 हजार 555 पुरुष, 1 लाख 11 हजार 174 महिला एवं 2 अन्य मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार प्रारंभिक प्रकाशन की तुलना में जिले में कुल 4 हजार 377 मतदाताओं की वृद्धि दर्ज की गई है।

शपथ पत्र

मै शपथकर्ती रेखा कोटरप्पा कागनुर पति अज्जैयाह एस.एम., निवासी– वार्ड नं. 03, बस स्टॉप के पास, लिंगयत्र कॉलोनी, एम.बी. ऐय्यनहल्लि, बल्लारी (कर्नाटक) 583126 निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :–

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरे पुत्र– एस एम विहान (**S M VIHAAN**) का जन्म दिनांक– 15/02/2019 को सुप्रीया हॉस्पिटल, रायपुर छ.ग. में हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या– 2019–01–011654 एवं पंजीकरण दिनांक– 08/05/2019 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र की माता अर्थात् मेरा नाम– एस एम रेखा दर्ज है, जो कि त्रुटिवश गलत है।

4. यह कि, मेरा सही नाम– रेखा कोटरप्पा कागनुर (**REKHA KOTRAPPA KAGANUR**) है, जो कि सत्य एवं सही है।

5. यह कि, उक्त जन्मप्रमाण पत्र में दर्ज मेरा गलत नाम– एस एम रेखा को सुधारकर सही नाम– रेखा कोटरप्पा कागनुर (**REKHA KOTRAPPA KAGANUR**) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 5 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक : 21.02.2026

शपथकर्ती
रेखा कोटरप्पा कागनुर

सार्वजनिक मार्ग में पेशाब करते दिखे एक नागरिक जुर्माना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 51 के क्षेत्र में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 की तैयारी हेतु किये जा रहे वार्ड क्रमांक 51 क्षेत्र की सफाई व्यवस्था के प्रत्यक्ष निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक मार्ग पर पेशाब करते दिखे सम्बंधित नागरिक को स्वच्छता रखने की कड़ी हिदायत देते हुए 100 रू का जुर्माना किया.

माँ मातंगी धाम में राष्ट्रीय गौरव रथ का ऐतिहासिक स्वागत,

धमतरी (प्रतिदिन राजधानी)

जिला धमतरी के कुरूद स्थित जी - जमगांव में माँ मातंगी दिव्य धाम में राष्ट्रीय गौरव रथ के आगमन पर भव्य, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय और राष्ट्रभक्ति के वातावरण से ओत-प्रोत कर दिया। धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमा साई जी महाराज के सानिध्य में संपन्न इस आयोजन में राष्ट्र जागरण, सांस्कृतिक एकता और धार्मिक चेतना का संदेश दिया गया। माँ मातंगी दिव्य धाम, जिसे त्रिकाल दर्शी धाम के रूप में जाना जाता है, आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरण के कार्यों के लिए भी प्रसिद्ध है।

मीडिया से चर्चा के दौरान डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ने हिंदू जागरण, सांस्कृतिक समरसता और राष्ट्र चेतना पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन से आग्रह किया कि महापुरुषों के जीवन और उनके योगदान को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में समुचित स्थान दिया जाए, ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सके। कार्यक्रम के अंतर्गत सायं 5 बजे राष्ट्रीय गौरव रथ का विधिवत पूजन किया गया, जिसके बाद भव्य शोभायात्रा और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। श्रद्धा और उत्साह से भरा यह आयोजन रात्रि 11 बजे तक निरंतर चलता रहा।

उल्लेखनीय है कि छावा भारत क्रांति मिशन द्वारा राष्ट्रीय शिव जन्मोत्सव सोहळा 2026 के अंतर्गत नासिक से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी तक राष्ट्रीय गौरव रथयात्रा निकाली गई। छत्रपति शिवाजी महाराज की अक्षत प्रतिमा के साथ निकली इस यात्रा ने देशभर में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित किया। 14 फरवरी को कालिका माता मंदिर, नासिक से प्रारंभ हुई यह यात्रा सिन्नर,

मंत्री रामविचार नेताम ने किया कृषि विश्वविद्यालय का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शोध गतिविधियों, प्रयोगात्मक परियोजनाओं और किसानों के हित में विकसित की जा रही तकनीकों की जानकारी ली

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने आज रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक प्रक्षेत्र एवं विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रहे उन्नत कृषि अनुसंधान, बीज विकास, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से जुड़े कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शोध गतिविधियों, प्रयोगात्मक परियोजनाओं और किसानों के हित में विकसित की जा रही तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने वैज्ञानिकों और प्राध्यापकों से संवाद करते हुए अनुसंधान कार्यों की उपयोगिता, जमीनी स्तर पर उनके प्रभाव और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। मंत्री ने विशेष रूप से बीज विकास और

प्राकृतिक खेती से संबंधित अनुसंधान को प्रदेश के कृषि परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अनुसंधान आधारित कृषि नवाचारों को बढ़ावा देना है। ताकि प्रदेश के किसानों को नई तकनीकों और उन्नत पद्धतियों का लाभ मिल सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी हस्तांतरण के माध्यम से किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर और अधिक आय अर्जित करने योग्य बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित अन्य वरिष्ठ प्राध्यापक एवं शोधकर्ता उपस्थित रहे। कुलपति ने विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों, नवाचार परियोजनाओं और किसानों के लिए विकसित तकनीकों की जानकारी मंत्री को दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग, टिकाऊ खेती पद्धतियों और उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि अनुसंधान कार्यों के परिणामों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाई जाए। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और जल संरक्षण से जुड़े शोध कार्यों को और गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। यह निरीक्षण प्रदेश में कृषि विकास और अनुसंधान को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। किसानों को उन्नत तकनीक और नवाचारों का लाभ दिलाने के लिए सरकार और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

राज्यपाल रमेन डेका से वनमंत्री केदार कश्यप ने की सौजन्य भेंट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर स्थित लोकभवन में आज राज्यपाल रमेन डेका से वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन तथा कौशल विकास मंत्री केदार कश्यप ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा होने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, मुलाकात शिष्टाचार के तहत हुई, जिसमें मंत्री कश्यप ने अपने विभागों की प्राथमिकताओं और

चल रही प्रमुख योजनाओं की रूपरेखा से राज्यपाल को अवगत कराया। वन एवं जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों, जल संसाधनों के प्रबंधन और कौशल विकास के क्षेत्र में राज्य सरकार की पहलों पर भी बातचीत हुई। राज्यपाल ने इन क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताते हुए जनहित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। बताया जा रहा है कि चर्चा के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और युवाओं के कौशल उन्नयन जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। राज्यपाल ने सतत विकास की दिशा में समन्वित प्रयासों की आवश्यकता रेखांकित की। मंत्री कश्यप ने भी राज्य में चल रही योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नगर निगम एक जनसेवी संस्था है, जिसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं

विद्युत नियामक आयोग नगर निगम रायपुर को ग्रास सब्सिडाइजेशन श्रेणी में ना रखे और व्यबसायिक दर श्रेणी से बाहर रखे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जनसेवी संस्था है, जिसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं है. छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग रायपुर नगर पालिक निगम को व्यवसायिक दरों की श्रेणी से बाहर रखे. रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग सलाहकार समिति की बैठक में सम्मिलित होकर जनहित में नगर हित से जुडी अनेक सुझावों को विद्युत नियामक आयोग के समक्ष रखा.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने विद्युत विनामक आयोग सलाहकार समिति की बैठक में स्पष्ट कहा कि रायपुर नगर निगम एक जनसेवी संस्था है, जिसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं है.नगर निगम जनसेवा कार्य शहर में करता है. स्टीट लाईट, वाटर पम्प, सार्वजनिक शौचालय पर विद्युत पावर कम्पनी को कमर्शियल टेरिफ की दरें नहीं लगानी चाहिए. इस हेतु विद्युत विभाग को पब्लिक यूटिलिटी स्लेब बनाना चाहिए, जो डोमेस्टिक दर के समान हो. महापौर ने नियामक आयोग के समक्षकहा कि दरों को 7.35 रू प्रति यूनिट के स्थान पर 5.10 रू. प्रति यूनिट किया जाना चाहिए. महापौर ने विद्युत नियामक आयोग के समक्ष कहा कि नगर निगम एक जनसेवी संस्था है, उसको ग्रास सब्सिडाइजेशन श्रेणी में ना रखा जाये.कारण कि बिजली बिल अधिक आने के कारण नगर निगम रायपुर को आवश्यक मूलभूत नागरिक सेवा सफाई, पानी आदि के बजट में कटौती करनी पड़ रही है. महापौर ने कहा कि नगर निगम को राहत मिलेगी, तो नगर निगम विद्युत की बचत कर पायेगा. 300 करोड़ रू का बिजली बिल और उस पर 50 करोड़ रू का सरचार्ज नगर निगम रायपुर को अंतत: यूजर चार्ज और सम्पतिकर के रूप में ही जनता की जेब से वसूलना होगा, अत: नगर निगम रायपुर को व्यवसायिक दर श्रेणी से बाहर रखें.

मौदहापारा सन्डे बाजार में अभियान चलाकर सभी फेरी वालों को नियमों का पालन करने कड़ी हिदायत दी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार , नगर निगम नगर निवेशक आभाष मिश्रा, जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, कार्यपालन अभियंता पी. डी. धृतलहरे नगर निगम जोन 2 नगर निवेश विभाग सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन, मौदहापारा पुलिस थाना बल एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़नदस्ता नगर निवेश की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत मौदहापारा सन्डे बाजार मुख्य मार्ग

में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी फेरी वालों को समझाइश दी गयी कि वे सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक जब्ती कर ली जाएगी, इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी फेरी वाले स्वत: जिम्मेदार रहेंगे । आज चलाये गए जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत मगर निगम जोन 2 क्षेत्र में मौदहापारा सन्डे बाजार में 20 ठेलो को मार्ग कब्जामुक्त करने बार - बार समझाईश देने के बाद भी सड़क पर सामान रखने वाले फेरी वालों के लगभग 10 टेबल, पलंग आदि सामानों को व्यवस्था सुधारने सड़क मार्ग पर से जप्त कर लिया गया , टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत लगातार चलाये जा रहे अतिक्रमणरोधी अभियान से राजधानी शहर रायपुर के मौदहापारा सन्डे बाजार मार्ग क्षेत्र में मार्ग यातायात सुगम और सुव्यवस्थित हो गया और इससे आमजनों को यातायात जाम की समस्या से मुक्ति सहित त्वरित राहत प्राप्त हुई।

नि:शुल्क होम्योपैथिक एवं हड्डी रोग शिविर में 100 से अधिक लोगों की जांच, दवाइयों का वितरण

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नहर पारा विकास समिति द्वारा नि:शुल्क होम्योपैथिक एवं हड्डी रोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद रमेश आहूजा तथा कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप सिंग चावला के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय मुल्कराज आहूजा एवं इंदर सिंह चावला को श्रद्धांजलि अर्पित कर एवं दीप

प्रज्वलित कर की गई। शिविर के दौरान 100 से अधिक लोगों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई।

वहीं होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अंजू सूद ने 85 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क होम्योपैथिक दवाइयां वितरित कीं। शिविर का उद्घाटन

पार्षद अवतार बागल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री किशोर आहूजा ने किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, बलराम आहूजा, अवतार बागल, सुभाष अग्रवाल, दलजीत सिंह चावला, हरीश खन्ना सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने सभा को संबोधित किया और समिति के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना की। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। समिति पदाधिकारियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

11 ठेले जप्त कर करवाया अतिक्रमण मुक्त, सुगम यातायात मिलने पर त्वरित राहत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत शंकर नगर मुख्य मार्ग से खम्हारडीह मार्ग होते हुए अवन्ति विहार मुख्य मार्ग तक जनहित में सुगम और सुव्यवस्थित सड़क आवागमन आमजनों को उपलब्ध करवाने हेतु अभियान चलाकर सड़क मार्ग पर कब्जा कर व्यवसायरत 11 अवैध ठेलों को व्यवस्था सुधार हेतु नियमानुसार कड़ाई करते हुए जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश साहू, उपअभियंता अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में सड़क मार्ग पर जप्त कर लिया और प्रमुख सड़क मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करवाया. इस कार्यवाही से उक्त मुख्य मार्ग में सड़क आवागमन सुगम और सुव्यवस्थित हो गया, जिससे आमजनों को त्वरित राहत प्राप्त हुई.

पंचशील नगर में शीघ्र होगा सड़क डामरीकरण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 अंतर्गत सिविल लाईन वार्ड क्रमांक 46 अंतर्गत पंचशील नगर में शीघ्र नवीन सड़क डामरीकरण विकास कार्य किया जायेगा. रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 4 के सिविल लाईन वार्ड क्रमांक 46 अंतर्गत पंचशील नगर क्षेत्र में नवीन सड़क डामरीकरण विकास कार्य का श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर छत्तीसगढ़ राज्य मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के ने सिविल लाईन वार्ड क्रमांक 46 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्रीमती संजना संतोष हियाल सहित वार्ड के रहवासी गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर वार्ड 46 अंतर्गत पंचशील नगर क्षेत्र में नवीन सड़क डामरीकरण विकास कार्य का भूमिपूजन करते हुए कार्यारम्भ किया.

डॉ खूबचंद बघेल की मूर्ति स्थल प्रांगण की सादर ससम्मान धुलाई और सफाई का कार्य

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य के प्रणेता प्रथम दृष्टा डॉ खूबचंद बघेल की पुण्यतिथि दिनांक 22 फरवरी 2026 रविवार को प्रात: 11 बजे आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम नवीन मार्केट फूल चौक परिसर के प्रांगण में स्थित उनके मूर्ति स्थल की सादर ससम्मान धुलाई और सफाई नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी और जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा और नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता शेखर सिँह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, गुलाबचंद कर्ष, नगर निगम जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में नगर निगम जोन 4 स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की टीम द्वारा की गयी.

सम्पादकीय

प्रपंच से फजीहत

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरुआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया।

वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। इसके साथ ही हमें एआई जगत में अपनी विश्वसनीयता भी कायम करनी होगी। ताकि फिर किसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की खुरापात से देश की फजीहत न हो। बल्कि हमारा शोध व विकास का तंत्र इतना मजबूत हो कि फिर हमारे किसी संस्थान को विदेशी उत्पाद को अपना नवाचारी उत्पाद बताने की जरूरत न पड़े। अन्यथा न केवल एआई समिट बल्कि देश की गरिमा को भी आंच आ सकती है।

राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के वर्षपर्यंत सियासी मायने

महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व में सत्तारूढ़ महायुति आसानी से 6 सीटों पर जीत हासिल कर लेगा, वहीं 7वीं सीट के लिए वोटिंग हो सकती है। इसलिए महाराष्ट्र की राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार का संसदीय सफर थम सकता है। जबकि हरियाणा से बीजेपी के दो सदस्य किरण चौधरी और रामचंद्र जांगरा का कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इसी प्रकार ओडिशा की 4 सीटों पर चुनाव होंगे, जहां अभी 2 सीट बीजेपी और 2 बीजेडी के पास है लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो बीजेपी की सीटों में इजाफा होना तय है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में दोनों सीटें अभी कांग्रेस के पास हैं और यहां भी बीजेपी जीत दर्ज करने की स्थिति में है रही बात तेलंगाना की तो वहां से कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी रिटायर हो रहे हैं और बीआरएस के एक कैंडिडेट का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

कमलेश पांडे।

चिरंजीवी सदन 'राज्यसभा' के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वर्ष 2026 में विभिन्न चरणों में खाली होने वाली कुल 71-75 सीटें के लिए चुनाव होंगे, जो पूरे वर्ष अप्रैल और नवंबर में भरी जाएंगी। लिहाजा, इन चुनावों के राजनीतिक मायने गहन व अहम हैं, क्योंकि ये चुनाव जहां एनडीए की बहुमत मजबूती बढ़ा सकते हैं, वहीं विपक्ष को भी कमजोर कर सकते हैं। इससे भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढ़ेगा। जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान-मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन दस चुनावी राज्यों में से 6 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में इंडी गठबंधन के घटक दल सरकार में हैं। जहां तक राज्यवार सीटों की बात है कि पहले चरण में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल की 5, बिहार की 5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा की 2 और छत्तीसगढ़ की 1 सीटें शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में उत्तरप्रदेश की 10 और झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना आदि की 20 से अधिक सीटों के लिए नवम्बर में चुनाव होंगे। जहां तक उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति की बात है तो राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जहां भाजपा के 103 और एनडीए के 121-129 सांसद हैं। जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक के पास 78-80 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के 27 सांसद हैं। जहां तक इन चुनावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो इन चुनावों में एनडीए को 7-9 या इससे अधिक सीटों का लाभ मिलने का अनुमान है, जिससे उनकी संख्या 145 तक पहुंच सकती है। जबकि विपक्ष को 5 सीटें खोने का खतरा, खासकर बिहार, महाराष्ट्र में है। इससे भाजपा को राज्यसभा में अब कोई भी विधेयक पास करना आसान होगा और सुपरमेजॉरिटी की ओर बढ़त भी उसे मिलेगी।

सवाल है कि इन चुनावों में एनडीए को कितनी सीटें मिलने की संभावना है तो राजनीतिक विश्लेषकों को अनुमान है कि एनडीए को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, जिससे उनकी ताकत 129 से बढ़कर 140+ हो सकती है। पहले चरण के 37 सीटों पर 5-7 का लाभ अनुमानित है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बाद के चरणों से भी उसे अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 71-75 खाली सीटों में से एनडीए को नेट 7-9 या 48 सीटें हासिल हो सकती हैं। चूंकि वर्तमान में एनडीए के 121-129 सदस्य हैं, इसलिए चुनाव बाद 145 तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बाद के जून-नवम्बर वाले दूसरे चरणों के प्रभाव की बात है तो वे भी स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में भाजपा को 7-8 मिलनी संभावित है, जबकि ओडिशा, तेलंगाना आदि में स्थिरतामिलेगी।, कुल मिलाकर सुपरमेजॉरिटी (123+) पक्की होगी। जबकि विपक्ष को 5 नुकसान होगा।

जहां तक इन चुनावों में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलने की बात हैं तो इंडिया गठबंधन को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 71-75 सीटों में से नेट 5 का नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी संख्या 80 से घटकर 75 रह जाएगी। पहले चरण के 37 सीटों पर भी नुकसान की स्थिति बनी हुई है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थिरता संभव है। विश्लेषकों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक वर्तमान 80 सीटों से 75 पर सिमट सकता है। कांग्रेस को विशेष रूप से 8 सीटें खोने का खतरा, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह की सीटें भी शामिल हैं। वहीं बाद के चरणों का प्रभाव भी उसपर पड़ेगा। क्योंकि उत्तर प्रदेश की 10 सीटें में से सपा को 2-3 मिलनी संभावित हैं, लेकिन कुल नुकसान होगा। जबकि कर्नाटक, झारखंड में 1-1 सीटों का नुकसान संभव है। ओवरऑल, एनडीए के लाभ से इंडिया कमजोर होगा। जहां तक राज्यवार स्थिति की बात है तो बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए चुनाव होगा। अभी आरजेडी के 2, जेडीयू के 2 और एक सांसद राष्ट्रीय लोक मोर्चा का है। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं और एनडीए के खाते में 4 सीटें सुनिश्चित हैं, जबकि 5 के लिए जोर आजमाइश बढ़ेगी। क्योंकि यहां 35 सीटों के साथ I.N.D.I.A. एक भी सीट अपने बल पर जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले AIMIM की भूमिका अहम हो जाती है। यदि पूरा विपक्ष एकजुट होता है तो बिहार में विपक्ष के पास कुल 41 विधायक हो जाते हैं और विपक्ष एक सीट निकाल सकते हैं। ऐसे में यह चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व और विपक्षी एकता की के लिए अग्निपरीक्षा होगा।

तेलंगाना में काग्रेस दोनों सीटें जीत सकती है और हिमाचल में भी काग्रेस एक सीट जीत सकती है। असम से तीन पश्चिम बंगाल से 5 और तमिलनाडु से भी 6 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे। चूंकि इन तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों के पास राज्यसभा में अपना संख्याबल कायम रखने का मौका मिलेगा। यही वजह है कि क्रॉस वोटिंग से निपटने की चुनौती विपक्ष के सामने रहेगी। क्योंकि राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के लिए अपने अपने विधायको को एकजुट रखने की चुनौती हमेशा होती है। पिछले कुछ राज्यसभा चुनावों को देखें तो हरियाणा में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का सामना करना पड़ा था। इसलिए आने वाले राज्यसभा चुनावों को देखें तो चाहे हरियाणा हो, बिहार हो, यहां पर काग्रेस और सहयोगी दलों को फूंक-फूंक करकदम रखना होगा। हालांकि कुछ सीटों पर तो रिजल्ट पहले से ही तय है, लेकिन अगर विपक्ष क्रॉस वोटिंग को रोक पाता है तो उसके हाथ भी कुछ सीट आ सकतीहैं। चूंकि राज्यसभा में बीजेपी और एनडीए का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए इस वर्ष 75 सीटों पर होने वाले चुनावों में विपक्ष यदि कारगर रणनीति नहीं बनाता है तो फिर इंडिया गठबंधन वाले कांग्रेस और उसके सहयोगियों की संख्या और घट सकती है, इतना तय है। जहां तक इन चुनावों में प्रमुख नेताओं के प्रभावित होने की बात है तो कई दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जदयू नेता हरिवंश, भाजपा के केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी (6 मंत्री सहित) शामिल हैं। वहीं बीएसपी राज्यसभा से साफ हो सकती है।

तंबाकू महामारी...स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और नैतिकता पर बहुआयामी आघात तथा भारत में पूर्ण निषेध की तात्कालिक आवश्यकता

किशन सनमुखदास भावनानीं।

वैश्विक स्तरपर तंबाकू का सेवन आज केवल एक व्यक्तिगत आदत या सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तरपर प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह आंकड़ा किसी युद्ध, प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में तंबाकू का प्रभाव और भी गंभीर है,जहाँ लाखों लोग प्रतिवर्ष कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्यजटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं,बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या केवल कर वृद्धि और चेतावनी संदेश पर्याप्त हैं? या फिर अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू पर व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू किया जाए। स्वास्थ्य की दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव बहुआयामी और घातक है। धूम्रपान और धुंआ रहित तंबाकू दोनों ही शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, गले का कैंसर, हृदयाघात, स्ट्रोक, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज जैसी बीमारियाँ तंबाकू सेवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। भारत में विशेष रूप से मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या अत्यधिक है, जिसका मुख्य कारण गुटखा, पान मसाला और अन्य धुंआ रहित तंबाकू उत्पाद हैं। यह स्थिति केवल सक्रिय उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएँ के संपर्क में आने से बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करते हैं। गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव भ्रूण के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे कम वजन वाले शिशु जन्म लेते हैं या जन्मजात विकृतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। तंबाकू प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू एक ऐसी महामारी है जो गैर- संचारी और संक्रामक दोनों प्रकार की बीमारियों को बहुत तेजी से बढ़ावा देती है। साथियों बात अगर हम भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए पहले से मौजूद कानूनों को समझने की करें तो, जैसे सिगरेटटेस अदर टोबैक्को प्रोडक्ट्स एक्ट 2003, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,विज्ञापन प्रतिबंध और पैकेजिंग पर स्वास्थ्य चेतावनी जैसे प्रावधान करता है।

शहर अनेकों कानून है अनेक राज्यों में तंबाकू पर प्रतिबंध भी है इसके अतिरिक्त भारत ने डब्लूएचओ फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन टोबैको कण्ट्रोल पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वैश्विक स्तर पर तंबाकू नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संधि है।बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर तंबाकू की उपलब्धता,सुलभता और सामाजिक स्वीकार्यता कम नहीं हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गुटखा और बीड़ी आसानी से उपलब्ध हैं। छोटे दुकानों और पान ठेलों पर इन्हें खुलेआम बेचा जाता है, जिससे किशोर और युवा वर्ग भी इसके संपर्क में आ जाते हैं। यह दर्शाता है कि वर्तमान व्यवस्था में कठोर प्रवर्तन और व्यापक प्रतिबंध की कमी है। साथियों बात अगर हम सामाजिक दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक है इसको समझने की करें तो धूम्रपान करने वाले व्यक्ति अक्सर परिवार में तनाव, आर्थिक दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अलगाव का अनुभव करते हैं। जब परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकू जनित बीमारी से ग्रसित होता है, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँस जाता है। बीड़ी उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों श्रमिक विशेषकर महिलाएँ और बाल श्रमिक अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में काम करते हैं। वे स्वयं भी तंबाकू धूल और रसायनों के संपर्क में आकर स्वास्थ्य जोखिम उठाते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि तंबाकू उद्योग का बोझ मुख्यत: गरीब और अशिक्षित वर्ग पर पड़ता है। जो लोग पहले से आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे तंबाकू पर खर्च करके और अधिक निर्धनता की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार तंबाकू केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का अत्यंत सटीक प्रश्न भी है। साथियों बात कर हम नैतिक दृष्टिकोण से तंबाकू उद्योग की भूमिका गंभीर बहस का विषय है इसको समझने की करें तो जब यह स्पष्ट है कि तंबाकू सेवन से मृत्यु और गंभीर रोग होते हैं, तब भी इसका उत्पादन और विपणन जारी रहना नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है, परंतु यह लाभ मानव जीवन की कीमत पर प्राप्त होता है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन,फिल्मी दृश्यों में धूम्रपान का ग्लैमराइजेशन और रंगीन पैकेजिंग जैसी रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं। किशोर अवस्था में शुरू हुई लत जीवन भर की निर्भरता बन जाती है। यह आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता और स्वास्थ्य को कमजोर करता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी तंबाकू की खेती और उत्पादन विनाशकारी है।अनुमान है कि लगभग हर 300 सिगरेट के उत्पादन में एक पेड़ काटा जाता है। तंबाकू की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग भूमि और जल को प्रदूषित करता है। सिगरेट के टुकड़े (बट्स) प्लास्टिक आधारित होते हैं और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। इस प्रकार तंबाकू केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नैतिकता के भी विरुद्ध है। साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टिकोण से तंबाकू का तर्क को समझने की करें तो अक्सर राजस्व पर आधारित होता है। सरकार को तंबाकू उत्पादों से कर प्राप्त होता है, जिसे सार्वजनिक सेवाओं में लगाया जाता है। परंतु जब हम व्यापक आर्थिक विश्लेषण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि तंबाकू से होने वाला कुल आर्थिक नुकसान उसके राजस्व से कहीं अधिक है। तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर होने वाला प्रत्यक्ष खर्च अस्पताल, दवाएँ, सर्जरी और अप्रत्यक्ष खर्च काम पर अनुपस्थिति, उत्पादकता में कमी, समयपूर्व मृत्यु मिलाकर राष्ट्रीय आय पर भारी बोझ डालते हैं। गरीब परिवार अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च करते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च कम हो जाता है। यह अंतरपीढ़ी गरीबी को बढ़ाता है। यदि तंबाकू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु से जुड़ी आर्थिक लागत का समग्र मूल्यांकन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि राष्ट्र को शुद्ध रूप से नुकसान ही हो रहा है। हम सरकार की वर्तमान रणनीति और भविष्य में तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध कानून को बनाने की करें तो वर्तमान में मुख्यत: कर वृद्धि (टैक्स स्ट्राइक), चेतावनी चित्रों और जनजागरूकता अभियानों पर आधारित है।यह रणनीति कुछ हद तक प्रभावी अवश्य रही है, परंतु पूर्ण समाधान नहीं दे पाई है।

जब तक तंबाकू उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, तब तक लत से ग्रसित व्यक्ति उन्हें खरीदने का तरीका खोज लेगा। कर वृद्धि से अवैध व्यापार और तस्करी की संभावना भी बढ़ जाती है। अत: यह तर्क दिया जा सकता है कि अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू,विशेषकर गुटखा और धुंआ रहित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए व्यापक और कठोर कानून बनाया जाए। राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम,2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम हो सकता है। हम अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को समझने की करें तो यहदर्शाते हैं कि कठोर नीतियाँप्रभावी हो सकती हैं। कुछ देशों ने सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण धूम्रपान प्रतिबंध, सादे पैकेजिंग और भारी जुर्माने लागू कर तंबाकू सेवन में उल्लेखनीय कमी लाई है। भारत भी यदि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए, तो चरणबद्ध तरीके से उत्पादन, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है।साथ ही, तंबाकू उद्योग में कार्यरत श्रमिकों के पुनर्वास,वैकल्पिक रोजगार और किसानों के लिए वैकल्पिक फसलों की व्यवस्था आवश्यक होगी, ताकि आर्थिक झटका न्यूनतम रहे। अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करइसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि तंबाकू एक बहुआयामी संकट है,स्वास्थ्य, सामाजिक,नैतिक और आर्थिक सभी स्तरों पर यह केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं,बल्कि सार्वजनिक हित और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा का प्रश्न है। यदि राष्ट्र को स्वस्थ,उत्पादक और नैतिक आधार पर सुदृढ़ बनाना है, तो तंबाकू के विरुद्ध राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत कर निर्णायक कदम उठाना अनिवार्य है।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग।

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास- हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं।

परीक्षा

सुप्रिया शर्मा (शिक्षिका), रायपुर

परीक्षा से घबराना किसी भी सन्दर्भ में उचित नहीं हैं। परीक्षा कोई व्यवधान या परेशानी नहीं है यह तो मात्र एक साधन है जो हमे और बेहतर की ओर अग्रसर करती हैं। परीक्षा हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। हमे स्वयं का आकलन करने का अवसर प्रदान करती हैं। यह परीक्षा ही है जो हमे हमारी कमियों से अवगत करा उनमें सुधार के लिए प्रेरित करती हैं। जीवन के हर मोड़ पर निरंतर हम परीक्षा के दौर से गुजरते हैं, कभी ये औपचारिक होती हैं और कभी अनौपचारिक। परीक्षा के बिना स्वयं में अपेक्षित सुधार कर पाना मुमकिन नहीं है। कोई भी परीक्षा अंतिम नहीं होती यह तो निरंतर नए विकल्प खोलती है। सफल होने वाले को अगली परीक्षा के लिए और असफल होने वाले को स्वयं को और सुदृढ़ करने के लिए। प्रत्येक अपनी क्षमतानुसार सीखते हैं और परिणाम देते हैं जरूरी नहीं है हर कोई एक ही स्तर से सीखे और एक जैसे परिणाम दे। किसी को सीखने में अधिक समय लगता है और कई जल्दी सीख जाते हैं पर यदि समय लग रहा है तो विचलित होने की आवश्यकता नहीं है। सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। आपने देखा होगा एक ही दिन पैदा होने वाले बच्चे अलग अलग समय पर बोलना, चलना सीखते हैं, किसी के दांत जल्दी आते हैं और किसी के बाद में पर निश्चित अवधि में लगभग सभी बच्चों में ये मूलभूत विकास हो जाते हैं। फिर परीक्षा भी सभी के लिए इसी प्रकार है।कोई भी अवसर या कोई भी परीक्षा अंतिम या आखिरी विकल्प नहीं होती है। इसलिए परीक्षा का अनावश्यक दबाब महसूस न करें,अपितु पूर्ण, लगन, ईमानदारी से मेहनत करे।

यथासम्भव सभी सकारात्मक प्रयास करे पर घबराए न। परीक्षा के परिणाम का दिल से स्वागत करे। जिंदगी हर मोड़ पर निरंतर हमको अवसर प्रदान करती है। नए अवसरों को अवसर दे निरंतर सकारात्मक होकर आगे बढ़े। सभी विद्यार्थी मन लगाकर अध्ययन करे और अपनी परीक्षा सफल होने का प्रयास करे।

वन मंत्री कश्यप मर्दापाल में भूमिपूजन और मेला मंड़ई कार्यक्रम में हुए शामिल

2.18 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन मंत्री केदार कश्यप ने आज कोंडागांव जिले के मर्दापाल में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने क्षेत्रवासियों को 2 करोड़ 18 लाख 47 हजार रुपए की लागत वाले कुल 36 विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही वन मंत्री ने मर्दापाल में भूमिपूजन कार्यक्रम से पहले गांव के मड़ई मेला में सम्मिलित होकर भंगा राम मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि एवं शांति की कामना की।

वन मंत्री कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी ग्रामवासियों को पारंपरिक भंगाराम माता मावली माघ मड़ई मेला की शुभकामनाएं दीं और कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आगे भी ग्रामीण अंचल के जरूरतों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए विकसित भारत जी राम जी योजना को और अधिक प्रभावी बनाया गया है जिसके तहत अब लोगों को 125 दिन की रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा और एक सप्ताह के भीतर भुगतान किया जाएगा। वन मंत्री ने शिविर में पंचायत विभाग के विकसित भारत जीरामजी योजना पर आधारित स्टॉल के साथ- साथ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया और ग्रामीणों से कहा कि विभागों के स्टॉल में पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोर्राम ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी और अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

विभिन्न ग्राम पंचायतों के 36 विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

वन मंत्री केदार कश्यप ने मर्दापाल में विभिन्न ग्राम पंचायतों में आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण एवं सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार हेतु कुल 218.47 लाख रुपये की लागत से 36 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों में सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक मंच, आंगनबाड़ी भवन, सीसी सड़क, नाली निर्माण तथा पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन सभी कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्र ों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा कई गांवों के ग्रामवासी लाभान्वित होंगे।

कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल साक्ष्य एवं उसकी ग्राह्यता पर संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 19 फरवरी 2026 को भिलाई3 स्थित परिवार न्यायालय में साइबर विधि तथा डिजिटल साक्ष्य- न्यायालयों में ग्राह्यता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अधिवक्ता संघ, भिलाई3 (छत्तीसगढ़) के समन्वय से संपन्न हुआ, जिसने औपचारिक समर्थन प्रदान करते हुए न्यायालय परिसर में संगोष्ठी के सफल आयोजन में सहयोग किया। इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में कार्यरत अधिवक्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेख अरसफ, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी भूपेश कुमार बसंत तथा प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अभिनव दहेरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे विधि समुदाय का सशक्त संस्थागत समर्थन परिलक्षित हुआ।सत्र का संचालन विधि संकाय की सहायक प्राध्यापिका हरलीन कौर द्वारा किया गया, जिन्होंने साइबर विधि की विधिक समझ को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने डिजिटल अपराधों, साइबर विनियमों तथा इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों के साक्ष्यात्मक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही, साइबर अपराधों से संबंधित विधिक ढांचे तथा न्यायालयों में डिजिटल साक्ष्य की ग्राह्यता पर विस्तृत चर्चा की गई।प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता और साइबर संबंधी विवादों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति ने उभरते विधिक क्षेत्रों में व्यावसायिक उन्नयन के प्रति न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सीएम को जन्मदिन पर सिक्ख समाज ने दी शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन के अवसर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के एक प्रतिनिधि मंडल ने उनसे सौजन्य मुलाकात कर शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। इस दौरान समाज के प्रमुख सदस्य नरेंद्र सिंह हरगोत्रा, स्वर्ण सिंह चावला, मनजीत सिंह भाटिया, कुलवंत सिंह, देवेंद्र सिंह चावला एवं अमृत सिंह उपस्थित रहे।प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के कामना करते हुए राज्य के विकास के लिए उनके नेतृत्व की सराहना की। मुख्यमंत्री ने भी छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज के सहयोग और सद्भावना के लिए धन्यवाद दिया।

अवैध प्लाटिंग पर बाउंड्रीवाल तोड़कर तत्काल कारगर रोक लगायी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, सहायक अभियंता सैयद जोहेब, उपअभियंता आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में अभियान चलाकर नगर निगम जोन 9 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत सड्डू क्षेत्र में लगभग 6 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर वहाँ निर्मित अवैध सड़क को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर सड़क आवागमन बाधित करते हुए और अवैध बाउंड्रीवाल को तोड़कर स्थल पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी.

डॉ. खूबचंद बघेल को पुण्यतिथि पर अध्यक्ष किरण सिंहदेव, विधायक सुनील सोनी ने किया सादर नमन

संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, अवतार भारती बागल सहित गणमान्यजनों, आमजनों ने किया सादर नमन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य के प्रणेता प्रथम दृष्टा डॉ खूबचंद बघेल की पुण्यतिथि पर राजधानी शहर रायपुर के जी. ई. मार्ग के किनारे नवीन मार्केट परिसर में फूल चौक के समीप स्थित मूर्ति स्थल परिसर में रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से उन्हें सादर ससम्मान नमन करने संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन रखा गया. पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव और रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने डॉ खूबचंद बघेल को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन किया.आयोजन में रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी और राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल सहित महिलाओं, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों ने बड़ी संख्या में मूर्ति स्थल परिसर में पहुंचकर डॉ खूबचंद बघेल को पुण्यतिथि पर सादर नमन किया.

कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026- विकसित छत्तीसगढ़ 2047 की ओर सशक्त प्रयास

जबरदस्त ऑफर्स, एक ही स्थान पर हर जरूरत का सामान बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर में आयोजित देश के प्रतिष्ठित व्यापारिक आयोजनों में से एक कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 अपने ऐतिहासिक शुभारंभ के पश्चात आज दूसरे दिन और अधिक भव्यता, उत्साह एवं व्यापक सहभागिता के साथ आगे बढ़ता नजर आया। यह आयोजन रायपुर को राष्ट्रीय व्यापारिक केंद्र के रूप में सशक्त पहचान दिला रहा है।

आज के आयोजन में रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा एवं रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने एक्सपो परिसर का भ्रमण कर देशभर से आए व्यापारियों, उद्योगपतियों, उद्यमियों, स्टार्टअप प्रतिनिधियों एवं महिला उद्यमियों से संवाद किया तथा प्रदर्शित उत्पादों एवं नवाचारों की सराहना की। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 जैसे आयोजन स्थानीय व्यापार, उद्योग एवं उद्यमिता को सशक्त बनाने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय व्यापारिक मानचित्र पर एक मजबूत पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह आयोजन वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत की सोच को व्यवहारिक रूप प्रदान करता है।

एक्सपो परिसर में लघु एवं मध्यम उद्योग, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमिता, हस्तशिल्प, एफएमसीजी, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा एवं औद्योगिक उत्पादों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से आए ब्रांड्स एवं कंपनियों की भागीदारी इसे व्यापारिक नेटवर्किंग एवं नए व्यावसायिक अवसरों का सशक्त मंच बना रही है।

CAIT के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर परवानी ने बताया कि CAIT नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ 2047 की दिशा में कैट का एक दूरदर्शी एवं ठोस प्रयास है, जो राज्य के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि 20 से 24 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस राष्ट्रीय व्यापार महोत्सव का भव्य समापन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा, जिससे आयोजन की प्रतिष्ठा एवं विश्वसनीयता को नई ऊँचाई प्राप्त होगी। कैट नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 निरंतर बढ़ते उत्साह, सहभागिता और विश्वास के साथ अब एक ऐतिहासिक, भव्य एवं दूरगामी प्रभाव वाला राष्ट्रीय व्यापारिक महाआयोजन के रूप में स्थापित हो चुका है, जो विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प को सशक्त आधार प्रदान कर रहा है।

जवाहर नगर मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल के नेतृत्व में तात्यापारा चौक पर मन की बात का भव्य आयोजन

मंत्री केदार कश्यप और विधायक पुरंदर मिश्रा रहे मुख्य अतिथि

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जवाहर नगर मंडल द्वारा आज राजधानी के ऐतिहासिक तात्यापारा चौक स्थित वीर शिवा प्रतिमा स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% के 131वें एपिसोड का भव्य आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे आयोजित। मण्डल के मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में शासन के वरिष्ठ मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।कार्यक्रम में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री केदारनाथ कश्यप उपस्थित रहे। उनके साथ उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा और छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने भी प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। प्रधानमंत्री का संदेश- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 131वें एपिसोड में राष्ट्र निर्माण, जल संरक्षण और सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता के विषयों पर चर्चा की। मंत्री केदार कश्यप का संबोधन- कार्यक्रम के पश्चात मंत्री केदारनाथ कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमें पर्यावरण संरक्षण और अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य करने की नई ऊर्जा देते हैं। विशेषकर सहकारिता के क्षेत्र में उनके सुझाव छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे। संगठनात्मक उपस्थिति- विधायक पुरंदर मिश्रा ने जवाहर नगर मंडल के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से शासन की योजनाएं और प्रधानमंत्री का विजन सीधे आम जनता तक पहुँचता है।

कैप्स टैली पिछले 15 वर्षों से दे रहा है विशेषज्ञ प्रशिक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रतिस्पर्धी दौर में कॉमर्स और अकाउंटिंग के क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों के लिए टैली अकाउंटिंग और विशेष रूप से कैप्स टैली TallyPrime के साथ जीएसटी प्रशिक्षण पहली पसंद बनता जा रहा है। बदलते टैक्स स्ट्रक्चर, डिजिटल कंप्लायंस और ऑनलाइन रिटर्न फाइलिंग के दौर में कंपनियाँ ऐसे अकाउंटेंट्स की तलाश में हैं जो केवल थ्योरी नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल सॉफ्टवेयर स्किल्स में दक्ष हों। विशेषज्ञों का मानना है कि टैली प्राइम जीएसटी का ज्ञान रखने वाले छात्रों के लिए जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। जीएसटी रिटर्न फाइलिंग, ई-वे बिल जनरेशन, इन्वेंटरी मैनेजमेंट, बैंक रिकंसिलिएशन और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग जैसे कार्यों में दक्षता आज हर छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान की आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे में टैली आधारित अकाउंटिंग कोर्स छात्रों के लिए एक सुनहरा और ग्रोइंग करियर विकल्प साबित हो रहा है।

रायपुर स्थित कैप्स टैली पिछले 15 वर्षों से अकाउंटिंग एवं जीएसटी प्रशिक्षण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था का उद्देश्य छात्रों को केवल सर्टिफिकेट देना नहीं, बल्कि उन्हें जॉब-रेडी बनाना है। यहाँ इंडस्ट्री बेस्ड प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, लाइव प्रोजेक्ट्स और अपडेटेड जीएसटी मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संस्था प्रबंधन के अनुसार, आज कंपनियाँ ऐसे उम्मीदवार चाहती हैं जो पहले दिन से काम संभाल सकें। टैली प्राइम जीएसटी का प्रैक्टिकल ज्ञान छात्रों को तुरंत रोजगार के अवसर दिलाने में सहायक होता है। अकाउंटिंग क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले वर्षों में टैली और जीएसटी एक्सपर्ट्स की आवश्यकता और भी बढ़ेगी। ऐसे में जो विद्यार्थी अभी से प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेकर अपनी स्किल्स को मजबूत करेंगे, उनके लिए करियर की संभावनाएँ और भी व्यापक होंगी।

स्पष्ट है कि टैली प्राइम जीएसटी केवल एक सॉफ्टवेयर कोर्स नहीं, बल्कि अकाउंटिंग में एक स्थिर, सम्मानजनक और दीर्घकालिक करियर की मजबूत नींव है – और रायपुर में CAPS Tally इस दिशा में छात्रों को सही मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है।

कैट ने वित्तमंत्री चौधरी को छत्तीसगढ़ राज्य के आगामी आम बजट हेतु सुझाव दिया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि CAIT ने माननीय वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी जी को छत्तीसगढ़ राज्य के आगामी आम बजट हेतु सुझाव दिया गया। जो निम्नानुसार है -1. ट्रेडर्स हेतु रियायती दर पर ऋण (Preferential Credit Policy) एवं मुख्यमंत्री मेरी दुकान योजना, 2. व्यापारियों हेतु इंश्योरेंस एवं पेंशन योजना, Ease of Doing Business, 4. मंडी शुल्क समाप्ति एवं कृषि उत्पादों पर व्यापारिक भार कम किया जाए, 5. व्यापारिक क्षेत्रों में आधारभूत संरचना - स्मार्ट बाजार, 6. कमर्शियल सेक्टर हेतु सोलर सब्सिडी योजना, 7. स्मार्ट टूरिज्म नीति - स्थानीय व्यापार को जोड़ना,

सीएम साय ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का किया स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के छत्तीसगढ़ आगमन पर पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक स्वरूप राजकीय गमछा, विश्वविख्यात बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक तथा बेल मेटल से निर्मित भगवान श्रीराम एवं माता शबरी की आकर्षक प्रतिकृति भेंट की।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. नरसिम्हा एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उल्लेखनीय है कि भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (Hidayatullah National Law University) के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने हेतु छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए हैं।

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, सोमवार, 23 फरवरी 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

आड़ावाल में जल प्रबंधन और स्वच्छता कार्यों का धरातल पर अवलोकन कर यूनिसेफ ने की सराहना

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल और स्वच्छता के मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल देखी गई। यूनिसेफ की जल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ सुश्री स्वेता पटनायक ने आड़ावाल ग्राम पंचायत का सघन भ्रमण कर ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली और स्वच्छता ढांचे का बारीकी से निरीक्षण किया। उनके इस प्रवास की शुरुआत समीक्षा बैठक से हुई, जिसमें सरपंच, उपसरपंच, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयक और श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट के प्रतिनिधियों सहित पंचायत की पूरी टीम ने हिस्सा लिया।

बैठक के दौरान सुश्री पटनायक ने पंचायत के विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए इस बात पर विशेष जोर दिया कि ग्रामीण स्तर पर जल और स्वच्छता सेवाएं न केवल उपलब्ध होनी चाहिए, बल्कि वे सतत और सुदृढ़ भी हों। चर्चा के मुख्य केंद्र में घर-घर नल कनेक्शन की स्थिति और फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण जैसे तकनीकी विषय रहे। साथ ही उन्होंने पंचायत की वित्तीय आत्मनिर्भरता के लिए जल एवं स्वच्छता कर की वसूली स्थिति की समीक्षा की और इस पूरी प्रक्रिया में स्वच्छता ग्राहियों, पंप ऑपरेटरों तथा जल वाहिनी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को सराहा।

संवाद के पश्चात जमीनी हकीकत परखने के लिए सुश्री पटनायक ने समूचे क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कचरा प्रबंधन के लिए बनाए गए सेग्रीगेशन शेड का निरीक्षण किया और घर-घर जाकर नल कनेक्शनों के माध्यम से हो रही जलापूर्ति की गुणवत्ता देखी।

कचरा संग्रहण की व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने स्थानीय टीम को स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पंचायत में स्थायी विकास तभी संभव है जब सभी हितधारक जागरूक रहकर समन्वित प्रयासों के साथ काम करें, जिससे भविष्य में ग्राम पंचायत आड़ावाल स्वच्छता और जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक आदर्श प्रस्तुत कर सके।

कृषि एवं संबंधित विभागों की योजनाओं की कलेक्टर ने की विस्तृत समीक्षा

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बीते दिन कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं उद्यानिकी विभागों की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टोरेट सभाकक्ष और शासकीय श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शासन की प्राथमिकता किसानों की आय में वृद्धि और योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना है। उन्होंने हाल ही में संपन्न धान खरीदी एवं एग्रीस्टेक रकबा समर्पण कार्य में मैदानी अमले द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार के लिए मैदानी कर्मचारियों को अन्य राज्यों में एक्सपोजर विजिट पर भेजने के निर्देश दिए, ताकि उन्नत

कृषि पद्धतियों को जिले में लागू किया जा सके। एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शासन की आगामी योजनाओं का लाभ एग्रीस्टेक पंजीयन के आधार पर प्रदान किया जाएगा। अत: विभाग द्वारा शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री आशा योजना के अंतर्गत चना खरीदी की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि गत वर्ष आठ समितियों के माध्यम से चना खरीदी की गई थी। इस वर्ष किसानों की सुविधा हेतु सलोनी, संबलपुर एवं भुरसी में तीन नई समितियों का गठन किया गया है। कलेक्टर ने 50 हजार क्विंटल चना खरीदी का लक्ष्य निर्धारित करते हुए गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही चना, सरसों एवं मूंग जैसी दलहन-तिलहन फसलों में अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन कराने पर जोर दिया।

बैठक में कलेक्टर ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों को अनावश्यक रूप से अस्वीकृत न किया जाए। उन्होंने सभी विकासखंडों में कृषकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। पीएम अजय योजना के तहत प्रेषित प्रकरणों के त्वरित निराकरण तथा अगली बैठक में प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए। अंतर्गत तैयार किए गए मुर्गी शेड की जानकारी लेते हुए उन्होंने कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों को बढ़ावा देने, जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए ग्राम स्तर पर अभियान चलाने के निर्देश दिए।

प्रथम पालकी के साथ फागुन मंडई होगी शुरु

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

मां दंतेश्वरी मंदिर में ऐतिहासिक फागुन मंड़ई का भव्य आयोजन रविवार से शुरू होगा। इस दौरान 5 मार्च तक श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। कलेक्टर देवेश ध्रुव और मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा फागुन मंडई कार्यक्रम शनिवार को जारी किया गया।

मंदिर परिसर एवं नगर में 12 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक उत्सव में प्रतिदिन अलग-अलग पालकी कार्यक्रम एवं पारंपरिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत, रविवार से (पंचमी) को प्रथम पालकी के साथ होगी। इस दिन प्रात: 11 बजे कलश स्थापना एवं ताड़पलंगा धोनी तथा रात्रि 8 बजे से धार्मिक आयोजन होंगे। 23 फरवरी, सोमवार (षष्टमी) को द्वितीय पालकी के अंतर्गत रात्रि 9 बजे से खोरखुंदनी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 24 फरवरी, मंगलवार (सप्तमी/अष्टमी) को तृतीय पालकी में रात्रि 10 बजे से नाच मांडनी का आयोजन होगा। 25 फरवरी, बुधवार (नवमी) को चतुर्थ पालकी के तहत रात्रि 1 बजे से लम्हामार कार्यक्रम संपन्न होगा। 26 फरवरी, गुरुवार (दशमी) को पंचम पालकी में रात्रि 2 बजे से कोडरीमार आयोजित किया जाएगा।27 फरवरी, शुक्रवार (एकादशी) को षष्टम पालकी में रात्रि 3 बजे से चितलमार कार्यक्रम होगा। 28 फरवरी, शनिवार (द्वादशी) को सप्तम पालकी के अंतर्गत रात्रि 4 बजे से गंवरमार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

हिंगलाजिन मंदिर में चोरी का एक आरोपी गिरफ्तार, फरार की तलाश

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बकावंड पुलिस ने गिरोला स्थित हिंगलाजिन माता मंदिर में हुई चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन एवं 3,000 रुपये नगद बरामद किए हैं।

7-8 सितंबर 2025 की रात्रि लगभग 10 बजे से प्रात: 6 बजे के मध्य गिरोला गांव स्थित हिंगलाजिन माता मंदिर से अज्ञात आरोपियों द्वारा दो सोने के हार, एक सोने की नथनी एवं एक छोटा चांदी का मुकुट चोरी कर लिया गया था। इस संबंध में थाना बकावंड में अपराध क्रमांक 53/25, धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बस्तर पुलिस अधीक्षक द्वारा अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु इनाम की घोषणा की गई थी। पुलिस द्वारा लगातार पतासाजी, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण एवं आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण किया जा रहा था। जांच के दौरान एक विशेष टीम को ओडिशा राज्य भी भेजा गया।

21 फरवरी को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ओडिशा सीमा से लगे धरनीगुड़ा-कोरटा गांव के जंगल क्षेत्र में घेराबंदी कर एक संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नवीन हरिजन उर्फ बुद्धू किरमागुड़ा थाना बिसिंगपुर वर्तमान निवासी ग्राम डबली कोटा थाना जयपुर जिला कोरापुट ओडिशा बताया।

आरोपी ने अपने साथियों टूना हरिजन एवं माधव हरिजन के साथ मिलकर मंदिर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि चोरी किए गए आभूषणों को बेचकर प्राप्त रकम आपस में बांट ली गई थी। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास कुंडा में विविध कार्यक्रम

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास, कुंडा गांव में 20 फरवरी को कक्षा सज्जा प्रतियोगिता, पालक-बालक सम्मेलन एवं न्यूनतम भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कोंडागांव के अध्यक्ष नरपति पटेल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, बोली और परंपराओं को संरक्षित रखने तथा समाज से जुड़े रहने की बात कही। साथ ही विकसित भारत 2047 के विभिन्न पहलुओं पर भी जानकारी साझा की। पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास कोंडागांव की निगरानी समिति के अध्यक्ष डॉ. किरण रोटी ने शिक्षा, खेल, छात्रावास जीवन, बस्तर की संस्कृति, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों के महत्व पर प्रकाश डाला। निगरानी समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती नंदकी वैष्णव ने विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया। सामान्य सहायक के निर्देशन, मंडल संयोजक रोशन बाबू सहारे तथा छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती मधुबाला सील के मार्गदर्शन में कक्षा सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का अवलोकन जनप्रतिनिधियों, निगरानी समिति के सदस्यों

एवं अन्य छात्रावासों की अधीक्षिकाओं ने किया। प्रतियोगिता में कक्ष क्रमांक 17 (महारानी तपस्विनी कक्षा) को प्रथम, कक्ष क्रमांक 19 (विजय लक्ष्मी कक्षा) को द्वितीय तथा कक्ष क्रमांक 12 (राधाबाई कक्षा) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेता छात्राओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सत्र 2024-25 में शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए तनुजा मरकाम, रामशिला नेताम, बिहारी मरकाम, दसई मरकाम और मोती बस्तर विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया।

अखिल भारतीय वॉलीबॉल स्पर्धा में जबलपुर रेलवे चैंपियन

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

यहां मिनी स्टेडियम में ऐतिहासिक तीन दिवसीय अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का 20 फरवरी को भव्य समापन हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबले में जबलपुर रेलवे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इनकम टैक्स पुणे को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों की टीमों सहित संभाग एवं जिले की टीमों ने भाग लिया। लगभग 160 खिलाड़ी एवं 40 ऑफिशल इस आयोजन का हिस्सा बने, जिससे प्रतियोगिता का स्तर राष्ट्रीय रहा।

विजेताओं में प्रथम स्थान- जबलपुर रेलवे को 1,00,000 रु, द्वितीय स्थान-इनकम टैक्स पुणे को 51,000 रु., तृतीय स्थान- छत्तीसगढ़ पुलिस को 21,000 रु., चतुर्थ स्थान- तमिलनाडु वॉलीबॉल टीम को 11,000 रु. पुरस्कार दिया गया।

बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट- अभिराज (जबलपुर रेलवे), बेस्ट ब्लॉकर- टी. चंद्रशेखर (छत्तीसगढ़ पुलिस), बेस्ट सेटर- ऋतुराज (जबलपुर रेलवे), बेस्ट अटैकर- संकेत (इनकम टैक्स पुणे) समापन समारोह में अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माडवी, जिला पंचायत सदस्य मैथ्यूज कुजुर, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जनपद सदस्य धनेश्वरी बाकडे, समस्त पार्षदगण एवं वरिष्ठ नागरिक घासीराम नाग विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर संबित मिश्रा, वन मंडलाधिकारी आर.के. जांगड़े, एसडीएम जागेश्वर कौशल, खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल, डिप्टी कलेक्टर उत्तम पंचारी सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

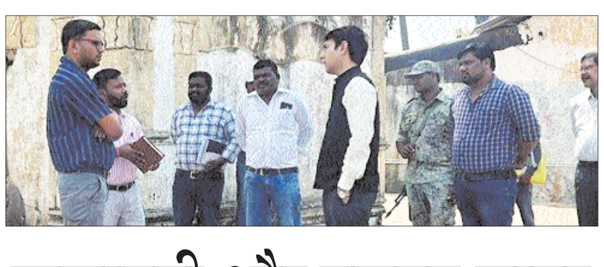

कलागुड़ी और दलपत सागर के कायाकल्प की तैयारी

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के कलेक्टर आकाश छिकारा ने शनिवार को जिले के सांस्कृतिक गतिविधियों और शहरी विकास को गति देने के लिए जमीनी निरीक्षण किया।

इसी कड़ी में उन्होंने दलपत सागर के समीप स्थित कलागुड़ी (आर्ट गैलरी) का दौरा किया और शहर के ऐतिहासिक दलपत सागर के सौंदर्यीकरण सहित बुनियादी ढांचे में आवश्यक सुधार को लेकर नगर पालिक निगम के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने ग्रीष्मकालीन जलापूर्ति के मद्देनजर जगदलपुर शहर में स्थित इंटेकवेल एवं वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आसना स्थित बादल अकादमी की नई शाखा कलागुड़ी केंद्र में संचालित करने रूम, डांस हाल, साउंड सिस्टम, थ्रीडी पेंटिंग, पृथक से शौचालय की किया और नवीन निर्माण के लिए शीघ्र पहल किए जाने कहा। इसके अलावा कलेक्टर ने आर्ट गैलरी के निरीक्षण के दौरान एक्सिविज़न हाल को रिपेयर करने के निर्देश दिए।

भाजयुमो ने सीएम के जन्मदिन पर 62 लोगों का किया सम्मान

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की युवा इकाई भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला कोंडागांव द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिन के अवसर पर 62 लोगों को श्रीफल, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित व्यक्तियों में सफाई कर्मी, मितानिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता, भूतपूर्व सैनिक, आवास योजना के हितग्राही एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के निर्देशन एवं जिला अध्यक्ष नागेश्वर देवांगन के मार्गदर्शन में किया गया। जिले के प्रत्येक मंडल स्तर पर सम्मान अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक गरीब हितग्राही को लाभान्वित करने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस दौरान जिले में नि:शुल्क सैन्य प्रशिक्षण, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, यातायात एवं मतदाता जागरूकता अभियान तथा वृक्षारोपण जैसे सामाजिक कार्यों की भी जानकारी दी गई, जिनके माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया जा रहा है।

बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम में मनोज जैन, गोपाल दीक्षित, जितेंद्र सुराना सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा कार्यालय प्रभारी वैष्णव, पार्षद सोनमणि पोयाम, सती बघेल, दीपक पटेल, प्रदीप नाग,मीना साहू, शहर मंडल अध्यक्ष अविनाश सोरी,वर्षा प्रकाश, , धनसु दास मानिकपुरी, आकाश दास, अनिल देवांगन, आकाश नेताम, गोविंद रामटेके, सागर देवांगन, रवि नाग, बाके नेताम, गुलशन निर्मलकर, चेतन कावड़े, विजय नेताम, दीपक शोरी एवं कनेश्वर पांडे आदि की भूमिका रही।

'नक्शा प्रोजेक्ट' के तहत शहरी भूमि अभिलेखों का डिजिटाइजेशन

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

सरकार की महत्वाकांक्षी 'नक्शा प्रोजेक्ट' के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित नगर पालिक निगम धमतरी क्षेत्र में शहरी भूमि अभिलेखों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। परियोजना के तहत निगम क्षेत्र के 29.4 वर्ग किलोमीटर में विस्तारित 40 वार्डों में अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से सर्वे कर शहरी भूमि रिकॉर्ड का अद्यतनीकरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भूमि संबंधी विवादों को कम करना तथा पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित शहरी नियोजन को बढ़ावा देना है।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में संचालित इस परियोजना के अंतर्गत राजस्व एवं नगर निगम अमले द्वारा भूस्वामियों की उपस्थिति में मकान, भवन एवं संस्थानों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा रही है। व्यापक प्रचार-प्रसार और मुनादी के माध्यम से आम नागरिकों को भी जागरूक किया जा रहा है, जिससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और आपत्तियों की संभावना न्यूनतम हुई है। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने के लिए विशेष दल गठित किए गए हैं। 17 फरवरी 2026 तक कुल 17 हजार 635 प्रविष्टियां दर्ज की जा चुकी हैं। यूनिटवार प्रगति में धमतरी ओल्ड यूनिट में 2,207, सर्वे यूनिट-2 में 125, यूनिट-3 में 255, यूनिट-4 में 612, यूनिट-5 में 649, यूनिट-6 में 647, यूनिट-7 में 179, यूनिट-8 में 397 तथा यूनिट-9 में 292 प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं।

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ में गूंजा नशा मुक्ति का संदेश, जनजागरूकता स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

केशकाल, प्रतिदिन राजधानी

केशकाल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पेंड्रावन में जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर दो दिवसीय नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक जागरूकता का भी विशेष संदेश दिया गया। आयोजन स्थल पर लगाए गए नशा मुक्ति अभियान के विशेष स्टॉल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जहां ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणाम एवं उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। वही इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए गायत्री परिवार ने सभी महिलाओं को पौधा भी दिया गया। महायज्ञ में सांसद भोजराज नाग, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कांकेर विधायक आशाराम नेताम सहित गायत्री परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए जागरूकता को सबसे बड़ा समाधान बताया।कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने कहा

कि वर्तमान समय में समाज की सबसे बड़ी लड़ाई नशे के खिलाफ है। नशे के कारण युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और कई मामलों में असमय मौतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से नशा मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

वहीं केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ने से सामाजिक बुराइयों पर नियंत्रण संभव है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार ठोस कदम उठा रही है तथा ग्रामीणों की सजगता से बस्तर क्षेत्र सकारात्मक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर लक्ष्य केंद्रित जीवन अपनाने का संदेश दिया।

36 साल से नशा मुक्ति अभियान चला रहे हैं सेवानिवृत्त शिक्षक

कार्यक्रम में पिछले 36 वर्षों से नशा मुक्ति अभियान चला रहे सेवानिवृत्त शिक्षक शंभू चांदेकर ने बताया कि वर्ष 1990 से वे गांव-गांव जाकर दीवार लेखन, प्रदर्शनी और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने बच्चों में बढ़ती मोबाइल लत को भी चिंता का विषय बताते हुए अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की।

200 बच्चों को विद्या संस्कार

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के अवसर पर गया। साथ यज्ञ में सहभागिता भी की। कार्यक्रम के नैतिक मूल्यों से जोड़ते हुए उन्हें संस्कारी बनने, बड़ों का सम्मान करने तथा सदैव सत्य और अच्छे मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

चटौद में 'पी.एम. अजय' योजना अंतर्गत ऋण प्रकरण तैयार करने हेतु शिविर संपन्न

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर के निर्देशानुसार विकासखंड कुरूद के ग्राम पंचायत चटौद में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पी.एम. अजय) के अंतर्गत स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष ऋण प्रकरण तैयार करने हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर ग्राम पंचायत भवन चटौद में आयोजित हुआ।

इस योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक आवेदकों को स्वरोजगार हेतु न्यूनतम 1,00,000 रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाएगा। इसमें 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50,000 रुपये तक की अनुदान राशि का प्रावधान है। योजना का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उन्हें स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। शिविर में विभिन्न व्यवसायों के लिए ऋण लेने के इच्छुक आवेदकों के आवेदन पत्र तैयार किए जाएंगे तथा आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। आवेदकों को शिविर में उपस्थित होते समय सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की दो-दो छायाप्रतियां एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। आय प्रमाण पत्र शिविर स्थल पर ही तैयार किए जाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके लिए संबंधित हल्का पटवारी को उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है, जिससे आवेदकों को आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो और ऋण प्रकरण त्वरित रूप से पूर्ण किए जा सकें। ग्राम पंचायत को शिविर आयोजन के एक दिन पूर्व मुनादी कर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं।

टी-20 वर्ल्डकप : सुपर-8 मैच में इंग्लैंड 51 रन से जीता

श्रीलंका 95 रन पर ऑलआउट, विल जैक्स को 3 विकेट, सॉल्ट की फिफ्टी

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। रविवार को कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन बनाए। ओपनर फिल सॉल्ट ने 40 गेंदों पर 62 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। विल जैक्स ने 21 रन का योगदान दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके। जवाब में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और टीम 16.4 ओवर में 95 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान दसुन शनाका ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए विल जैक्स ने 3 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और लियम डॉसन ने 2-2 विकेट चटकाए।

जैक्स प्लेयर ऑफ द मैच बने

ऑलराउंडर विल जैक्स ने 3 विकेट लेकर मैच श्रीलंका की तरफ मोड़ दिया। उन्होने बल्लेबाजी में 94 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद 14 बॉल पर 21 रन की पारी खेलकर इंग्लैंड को 140 रन के पार पहुंचाया। पल्लेकेले में फैंस से भरे स्टेडियम के सामने श्रीलंका की पारी खत्म हो गई। इस फॉर्मेट में इंग्लैंड ने श्रीलंका पर लगातार 12वीं जीत दर्ज की। इंग्लैंड की बल्लेबाजी साधारण रही, लेकिन गेंदबाजों ने मैच एकतरफा कर दिया। 16.4 ओवर में राशिद ने दिलशान मदुशंका को बोल्ड कर मुकाबला खत्म किया। गुगली पर मदुशंका पूरी तरह चकमा खा गए और गेंद बल्ले और पैड के बीच से निकलकर स्टंप से टकरा गई। वह 2 गेंद में बिना खाता खोले आउट हुए। 14 ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर 81/7 है। जीत के लिए अब 36 गेंद में 66 रन चाहिए। मौजूदा रन रेट 5.78 है, जबकि जरूरी रन रेट 11 का हो गया है। इस ओवर में जेमी ओवरटन ने 8 रन दिए। आखिरी गेंद पर दसुन शानाका ने सिक्स लगाया। उन्होंने फुल लेंथ गेंद को सीधे बाउंड्री के पार पहुंचाया। शानाका 23 गेंद में 30 रन बनाकर खेल रहे हैं, जिसमें एक चौका और दो छक्के शामिल हैं। ओवर की शुरुआत में शानाका ने शॉर्ट गेंद पर टॉप एज लिया। गेंद विकेटकीपर और फाइन लेग के बीच गिरी और एक रन मिला।

प्रथम दिवस : राजस्थाान अंडर 23 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 89 ओवरों में 7 विकेट खोकर 257 रन बना लिये हैं। छत्तीसगढ़ की शुरुवात अच्छी नहीं रही, उनके प्रारंभिक बल्लेबाज शोभित शर्मा 0 रन पर तथा आयुश पांडे 21 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गये। मध्यमक्रम में मयंक वर्मा ने 81 रन तथा राहुल प्रधान ने 58 रन बनाकर पारी को संभाला। दोनों के मध्य चौथे विकेट के लिये 112 रनों की साझेदारी हुयी। उनके अतिरिक्त दिपक यादव ने 29 नाबाद तथा हर्श साहु ने 24 रनों का योगदान दिया। राजस्थान अंडर 23 टीम की ओर से गणेश सुथार तथा मोहित चंग्रा ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ ने 257 रन बना लिये है।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली। मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है। 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा। हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है।

मनु भाकर : निशानेबाजी में भारत का सितारा

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी की चमकती हुई सितारा मनु भाकर ने ओलंपिक में दो पदक जीतकर देश का नाम विश्व स्तर पर रोशन किया है। पिस्टल शूटिंग में उनकी सटीकता, धैर्य और निरंतरता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। मनु ने कम उम्र में ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपने करियर की मजबूत नींव रखी। उनके पिता, मर्चेंट नेवी के चीफ इंजीनियर राम किशन भाकर और मां सुमेधा ने उन्हें 'मनु' नाम दिया, जो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम था। माता-पिता चाहते थे कि उनकी बेटी रानी लक्ष्मीबाई की तरह निडर और साहसी बने। मनु का बचपन सक्रिय और बहुआयामी रहा। उन्होंने

स्कूल के दिनों में टेनिस, बॉक्सिंग, स्केटिंग और मार्शल आर्ट 'थान टा' में नेशनल लेवल मेडल जीतकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई। 14 साल की उम्र में उन्होंने शूटिंग को पेशेवर करियर बनाने का निर्णय लिया। 2016 के रियो ओलंपिक के बाद उन्होंने अपने पिता से पिस्टल खरीदी और अभ्यास में जुट गईं। इस मेहनत का फल 2017 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में मिला, जहां उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में ओलंपियन हीना सिद्धू के खिलाफ 242.3 का रिकॉर्ड स्कोर बना दिया।

उसी वर्ष, मनु 16 साल की उम्र में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बन गईं। उन्होंने एशियन जूनियर चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 और विभिन्न आईएसएसएफ वर्ल्ड कप इवेंट्स में गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने करियर को लगातार आगे बढ़ाया। टोक्यो ओलंपिक 2020 में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा, लेकिन 2021 आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने पदक जीतकर अपनी क्षमता साबित की। 2024 पेरिस ओलंपिक में मनु ने इतिहास रचते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल और मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि 25 मीटर पिस्टल में चौथा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ वह पहली भारतीय एथलीट बनीं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो पदक अपने नाम किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें 2020 में अर्जुन अवॉर्ड और 2024 में 'मेजर ध्यान चंद खेल रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। मनु भाकर ने अपने साहस, मेहनत और निरंतरता से भारतीय निशानेबाजी में एक नया अध्याय लिखा है और कम उम्र में ही देश को गौरवान्वित किया है।

अल्काराज ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्कराज ने खिताबी मुकाबल में फ्रांस के अर्थुर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज का दबदबा रहा। इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके टूर खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज ने कहा: साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

फुटबॉल से संन्यास पर विचार कर रहे हैं नेमार

नई दिल्ली। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार का करियर लगातार चोटों की वजह से प्रभावित रहा है और अब वह फुटबॉल से संन्यास लेने पर विचार कर रहे हैं। एक बातचीत के दौरान नेमार ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा और संभव है कि जब दिसंबर आए, तो वह रिटायरमेंट का फैसला कर लें। उन्होंने बताया, मैं अब साल दर साल जी रहा हूं। यह वर्ल्ड कप का साल है, इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है, ब्राजील के लिए और मेरे लिए भी। 34 साल के नेमार ने हाल ही में अपने बचपन के क्लब सैंटोस के साथ अनुबंध नवीनीकरण किया। जनवरी 2025 में सैंटोस लौटने के बाद उन्होंने टीम की

सफलता में अहम भूमिका निभाई और सीजन के आखिरी पांच मैचों में पांच गोल किए। हालांकि, घुटने की हालिया सर्जरी और बार-बार की चोटों ने उनके करियर को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं, जिससे 2026 वर्ल्ड कप में उनकी उपलब्धता पर सवाल खड़ा हो गया है। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए केवल पूरी तरह फिट खिलाड़ी ही टीम में शामिल किए जाएंगे। नेमार ने 18 साल की उम्र में 2010 में ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना शुरू किया था और दुनिया का अगला बड़ा सितारा माने गए। अपनी असाधारण प्रतिभा के बावजूद चोटों ने उनके करियर के कई अहम साल प्रभावित किए और कई जूनियर खिलाड़ी उनसे आगे निकल गए।

नेमार की भविष्य की अनिश्चितता और चोटों की वजह से उनके प्रशंसक और फुटबॉल विशेषज्ञ विश्व कप में उनके प्रदर्शन को लेकर चिंतित हैं। ब्राजील की टीम और नेमार खुद इस समय इस साल के लिए अपने स्वास्थ्य और फिटनेस पर पूरा ध्यान दे रहे हैं, ताकि निर्णायक टूर्नामेंट में पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतर सकें।

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह हमेशा महंगी घड़ियां पहने दिखते हैं। इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है। पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं। अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं। इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार

उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है। सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं। तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ-साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या। पांड्या ने लैंड रोवर डिफेंडर का कौन सा मॉडल अगस्त्या को उपहार में दिया है ये अभी साफ नहीं हुआ है पर डिफेंडर की कीमत एक करोड़ से लेकर 4 करोड़ के बीत है। ऐसे में ये करोड़ों की एसयूवी कार है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लैंड रोवर डिफेंडर का टॉप एंड मॉडल है, जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपये है। पांड्या के पास पहले से ही डिफेंडर कार है। इस बार भी उसी शोरूम से उन्होंने यह डिफेंडर खरीदी है, जिससे पहले उन्होंने इस ब्रांड की कार खरीदी थी।

दूसरा दिवस : राजस्थाान अंडर 23 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 100 .3 आवे रों में 10 विकेट खोकर 286 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की शुरुवात अच्छी नहीं रही, उनके प्रारंभिक बल्लेबाज शोभित शर्मा 0 रन पर तथा आयुश पांडे 21 रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गये। मध्यमक्रम में मयंक वर्मा ने 81 रन तथा राहुल प्रधान ने 58 रन बनाकर पारी को संभाला। दोनां` के मध्य चौथे विकेट के लिये 112 रनों की साझेदारी हुयी। उनके अतिरिक्त दिपक यादव ने 36 तथा हर्श साहु ने 24 रनों का योगदान दिया। राजस्थान अंडर 23 टीम की ओर से गणेश सुथार तथा चेतन शर्मा ने 3-3 विकेट तथा तथा मोहित चंग्रा ने 2 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन की समाप्ति तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 71 ओवरों में 9 विकेट खोकर 167 रन बना लिये है। राजस्थान की ओर से सचिन यादव ने 75 रन तथा सुमित ने 28 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से वरुण सिंह भुई ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 6 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन की समाप्ति तक राजस्थान 119 रनों से पीछे है।

भारत ने विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब जीता

फाइनल में बांग्लादेश को 46 रन से हराया, तेजल हसबनिस का नाबाद अर्धशतक

बैंकॉक। इंडिया-ए ने विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को बैंकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 46 रन से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 134 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए तेजल हसबनीस ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 34 बॉल पर नाबाद 51 रन बनाए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत लगातार दूसरी बार चैंपियन बना

भारत लगातार दूसरी बार विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट जीता है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2023 में बांग्लादेश को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट का पहला एडिशन हॉन्गकॉन्ग में खेला गया था। फाइनल में भारत ने 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर में सिर्फ 96 रन ही बना सकी।

राधा-हेजल के बीच 5वें विकेट के लिए 69 रन की पार्टनरशिप

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 44 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। वृंदा दिनेश 19, नंदीनी कश्यप और अनुष्का शर्मा 8-8, और मिनू मणी 0 पर आउट हो गईं। 4 विकेट गंवाकर संकट में फंसी भारतीय टीम को तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 113 रन था, उस समय राधा यादव के रूप में पांचवां विकेट गिरा। राधा ने 30 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौकों की मदद से 36 रन बनाए। तेजल हसबनीस ने 34 गेंद पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 51 रन बनाकर आउट हुईं। इन दोनों की बदौलत भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए थे। बांग्लादेश की तरफ से कप्तान फाहिमा खातून ने 4 विकेट लिए। फरजाना एसमिन और फातिमा जहान सोनिया को 1-1 विकेट मिला।

प्रेमा रावत ने 3 विकेट लिए : 135 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की तरफ से विकेटकीपर शमिमा सुल्ताना ने 20, सरमिन सुल्ताना ने 18, और कप्तान फहिमा खातुन ने 14 रन बनाए। टीम की 7 बल्लेबाज दहाई का भी आंकडा नहीं छू सकीं। भारत की तरफ से प्रेमा रावत ने 3, सोनिया मेंधिया और तनुजा कंवर ने 2-2, जबकि सायमा ठाकोर और मिनू मणी ने 1-1 विकेट लिए।

टी-20 विश्व कप 2026 : जिम्बाब्वे के ये खिलाड़ी वेस्टइंडीज के लिए बन सकते हैं बड़ा खतरा

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 44वें मुकाबले में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम का सामना वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम से होगा। सुपर-8 चरण का यह अहम मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। अब तक टूर्नामेंट में दोनों टीमों ने एक भी मैच नहीं गंवाया है, जिससे इस भिड़ंत को लेकर रोमांच और बढ़ गया है।

ब्रायन बेनेट

ब्रायन बेनेट को इस टी-20 विश्व कप में अब तक कोई भी गेंदबाज आउट नहीं कर पाया है। उन्होंने 3 मुकाबलों की 3 पारियों में 125 की स्ट्राइक रेट से 175 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 64 रन रहा है। श्रीलंका के खिलाफ 63, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 64 और ओमान के खिलाफ 48 रन की पारियां खेल चुके बेनेट वेस्टइंडीज के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

ब्लेसिंग मुजारबानी

तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी का प्रदर्शन टूर्नामेंट में अब तक शानदार रहा है। उन्होंने 3 मुकाबलों की 3 पारियों में 7.88 की बेहतरीन औसत से कुल 9 विकेट झटके हैं, जबकि उनकी इकॉनमी रेट 5.91 की रही है।

मुजारबानी ने एक बार 4 विकेट हॉल भी लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका प्रदर्शन 4/17 का रहा, वहीं श्रीलंका के खिलाफ 2/38 और ओमान के खिलाफ 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए। जिम्बाब्वे उनसे एक और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

सिकंदर रजा

कप्तान सिकंदर रजा की अगुआई इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार रही है। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अहम योगदान दिया है। श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच में 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रजा ने 26 गेंदों में 45 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने नाबाद 25 रन बनाए। ओमान के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए रजा ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

16 साल बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत दर्ज करना चाहेगी जिम्बाब्वे : टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दोनों टीमों के बीच 4 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान वेस्टइंडीज को 3 मैचों में जीत मिली है, जबकि जिम्बाब्वे की टीम केवल एक मैच जीतने में सफल रही है। टी-20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच खेला गया एकमात्र मुकाबला वेस्टइंडीज ने जीता था। जिम्बाब्वे ने कैरेबियन टीम के खिलाफ एकमात्र जीत 2010 में दर्ज की थी। ऐसे में वह इस मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर 16 साल बाद दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगी।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में बदलाव का असर

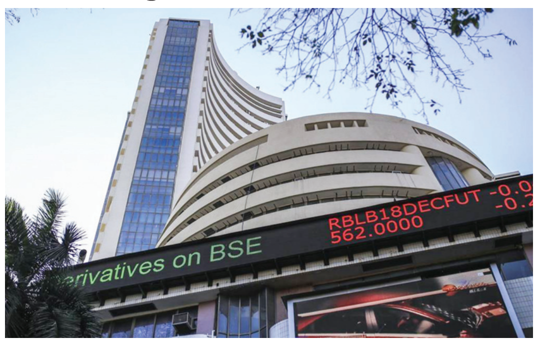

नई दिल्ली। भारत का शेयर बाजार पिछले सप्ताह तेज बढ़त के साथ बंद हुआ और निवेशकों की निगाहें अब इस सप्ताह पर टिकी हैं। इसका प्रमुख कारण अमेरिका में आयात शुल्कों में हाल ही में हुए बदलाव हैं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश धाराओं पर सीधे असर डालते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए ऊंचे आयात शुल्कों को रद्द कर दिया, जिससे वैश्विक बाजारों में नई उम्मीदें जगी हैं। इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को घोषणा की कि सभी देशों के लिए 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होगा, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, 21 फरवरी को ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है, लेकिन अभी तक इसके लिए कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कदम से वैश्विक व्यापार और अमेरिकी आयात नीति पर अस्थिरता के बावजूद, निवेशकों में सकारात्मक उम्मीदें बनी हैं। भारत-अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया था। अगर अमेरिकी प्रशासन वास्तव में इस दर को 10-15 प्रतिशत तक कम करता है, तो भारतीय उत्पाद अमेरिका में सस्ते होंगे, जिससे निर्यात बढ़ सकता है। यह स्थिति भारतीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन और विदेशी निवेश प्रवाह के लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी आयात शुल्क में संभावित कमी से भारतीय शेयर बाजार में लिवाल निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले सप्ताह की तेजी इस सप्ताह भी जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से उन सेक्टर्स में, जो अमेरिका के निर्यात पर निर्भर हैं, निवेशकों की रुचि अधिक रहेगी।

सेंसेक्स की छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 63,478 करोड़ बढ़ा

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्री पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुल मिलाकर छह कंपनियों ने लाभ कमाया, जबकि चार कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट आई। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 63,478.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा लाभ लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में लार्सन एंड टुब्रो, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फ़ाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को लाभ हुआ। वहीं भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मूल्यांकन में गिरावट आई।सप्ताह के दौरान लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 28,523.31 करोड़ बढ़कर 6,02,552.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 16,015.12 करोड़ बढ़कर 11,22,581.56 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,617.56 करोड़ बढ़कर 14,03,239.48 करोड़ रुपये और एलआईसी का मूल्यांकन 5,977.12 करोड़ बढ़कर 5,52,203.92 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 3,142.36 करोड़ बढ़कर 6,40,387 करोड़ रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 202.99 करोड़ रुपये बढ़कर 19,21,678.78 करोड़ रुपये हो गया।इस रुख के उलट भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,338.66 करोड़ रुपये घटकर 11,27,705.37 करोड़ रुपये रह गया। ईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,632.10 करोड़ रुपये घटकर 9,97,346.67 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,791.58 करोड़ रुपये घटकर 5,48,496.14 करोड़ रुपये पर और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 1,989.95 करोड़ रुपये घटकर 9,72,053.48 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और इन्फोसिस का स्थान रहा।

अदाणी पोर्ट्स, एनएमडीसी और वेले ब्राजील मिलकर विकसित करेंगे 'आयरन ओर' के लिए एसईजेड आधारित इकोसिस्टम

नई दिल्ली। अदाणी बंदरगाह और विशेष आर्थिक क्षेत्र ने अपनी सहायक कंपनी अदाणी गंगावरम पोर्ट लिमिटेड के माध्यम से सरकारी कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड और वेले एस.ए. (वेले ब्राजील) के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू भारत-ब्राजील बिजनेस फोरम शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित किया गया। इसके तहत गंगावरम पोर्ट पर आयरन ओर ब्लेंडिंग सुविधा और एक समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के विकास के लिए रणनीतिक ढांचा तैयार किया जाएगा। समझौते पर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी उपस्थित रहे।

भारत ने बदली कच्चे तेल की रणनीति : प्रतिबंधों के बीच में सऊदी अरब को मिला फायदा, रूस से क्रूड फ्लो हुआ कम

नई दिल्ली। वैश्विक प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक दबाव के बीच भारत ने कच्चे तेल आयात की अपनी रणनीति में संतुलित बदलाव शुरू किया है। हाल के आंकड़े बताते हैं कि सऊदी अरब फिर से भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जबकि रूस से आने वाला तेल घटा है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है ताकि ऊर्जा सुरक्षा बनी रहे और रिफाइनरियों का काम प्रभावित न हो। 1 से 18 फरवरी के बीच भारत का कुल कच्चा तेल आयात औसतन 48.5 लाख बैरल प्रतिदिन

रहा, जो जनवरी के 52.5 लाख बैरल प्रतिदिन से करीब 8 प्रतिशत कम है। जहाजों के आंकड़ों के अनुसार रूस से आयात दिसंबर 2025 में 12.8 लाख बैरल प्रतिदिन था। यह जनवरी में घटकर 12.2 लाख और फरवरी की शुरुआत में लगभग 10.9 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। विशेषज्ञों का अनुमान है कि मार्च में यह 8 से 10 लाख बैरल प्रतिदिन के बीच रह सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ाई थी। एक समय रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया था और कुल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा दे रहा था। लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों के कारण अब रूसी तेल पर दबाव बढ़ गया है। भुगतान, शिपिंग और बीमा से जुड़ी दिक्कतों ने भी प्रवाह को प्रभावित किया है।

बॉलीवुड समाचार

संघर्ष, ट्रॉमा-रिजेक्शन से उठकर स्ट्रॉन्ग एक्ट्रेस बनीं...स्कूल में बुलिंग होती थी, तभी सोचा कि एक दिन सबको कुछ बनकर दिखाऊंगी : भूमि पेडनेकर

संघर्ष, ट्रॉमा, रिजेक्शन और सामाजिक तानों के बीच खुद को साबित करने वाली अभिनेत्री का नाम है भूमि पेडनेकर। मुंबई की चमकदार फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाना आसान नहीं होता, खासकर तब जब शुरुआत आत्म-संदेह, असुरक्षा और निजी आघातों से भरी हो। स्कूल के दिनों में बुलिंग का सामना करने वाली भूमि को उनके वजन और लुक्स को लेकर ताने सुनने पड़ते थे, लेकिन उन्होंने इन्हीं अनुभवों को अपनी ताकत बना लिया। 14 साल की उम्र में छेड़छाड़ की घटना और 18 वर्ष की उम्र में पिता के निधन ने उन्हें भीतर से झकझोर दिया, पर टूटने के बजाय उन्होंने जिम्मेदारी उठाई और खुद को मजबूत बनाया। फिल्मी सफर भी आसान नहीं रहा। पारंपरिक हीरोइन जैसे लुक्स न होने की वजह से उन्हें कई ऑडिशन में रिजेक्शन झेलना पड़ा। यहां तक कि एक्टिंग कोर्स से निकाले जाने का झटका भी लगा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काम करते हुए उन्होंने सिनेमा को करीब से समझा और फिर 'दम लगा के हईशा' से ऐसा डेब्यू किया जिसने उन्हें रातोंरात गंभीर अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर दिया। 30 किलो वजन बढ़ाने का साहसिक फैसला हो या बाद में फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन, भूमि ने हर चुनौती को स्वीकार किया। आज वह कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की मजबूत और भरोसेमंद आवाज बन चुकी हैं।

भूमि पेडनेकर का जन्म और पारिवारिक पृष्ठभूमि

भूमि पेडनेकर का जन्म 18 जुलाई 1989 को मुंबई में हुआ। वे एक शिक्षित और सुसंस्कृत परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता सतीश पेडनेकर महाराष्ट्र सरकार में होम और लेबर मिनिस्टर रह चुके थे, जबकि उनकी मां सुमित्रा हुड्डा पेडनेकर सामाजिक कार्यों से जुड़ी रही हैं। भूमि की एक बहन भी हैं, समीक्षा पेडनेकर, जो वकालत के पेशे में हैं।

स्कूल के दिन और बुलिंग का अनुभव

भूमि ने अपनी स्कूली शिक्षा मुंबई के आर्य विद्या मंदिर स्कूल, जुहू से पूरी की। स्कूल के दिनों में उन्हें बुलिंग का सामना भी करना पड़ा। कभी उनके वजन को लेकर टिप्पणी की जाती, तो कभी उनके लुक्स पर तंज कसा जाता। भूमि कहती हैं कि जब स्कूल में बुलिंग होती थी, तो घर आकर उन्हें पूरा सपोर्ट मिलता था। उनका आत्मविश्वास कभी नहीं टूटा। वे बताती हैं कि जब भी स्टेज पर जाती थीं, तो उन्हीं बुलीज को देखती थीं और मन में ठान लेती थीं कि एक दिन खुद को साबित करके दिखाएंगी। यहीं से उनके भीतर अभिनेत्री बनने का सपना और मजबूत हुआ।

14 साल की उम्र में छेड़छाड़ की घटना, भीतर तक हिला देने वाला अनुभव

भूमि का बचपन आम दिखने वाला जरूर था, लेकिन भीतर कई अनकहे संघर्ष थे। 14 साल की उम्र में बांद्रा के एक मेले में उनके साथ छेड़छाड़ की घटना हुई। यह अनुभव उनके लिए गहरा मानसिक आघात लेकर आया। भूमि कहती हैं कि उस घटना ने उन्हें भीतर तक हिला दिया था और लंबे समय तक वे असुरक्षित महसूस करती रहीं।

18 की उम्र में पिता का निधन, अचानक संभाली परिवार की जिम्मेदारी

जब भूमि 18 वर्ष की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा भावनात्मक झटका था। पिता उनके सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम थे। अचानक परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई।

हीरोइन जैसे लुक पर सवाल, ऑडिशन में लगातार झेलना पड़ा रिजेक्शन

इस घटना ने उन्हें भीतर से परिपक्व बना दिया। उन्होंने तय किया कि वे खुद को कमजोर नहीं पड़ने देंगी। यही वह मोड़ था, जब उन्होंने करियर को गंभीरता से लेना शुरू किया। भूमि बचपन से ही अभिनय की ओर आकर्षित थीं। वे सिनेमा और थिएटर से बेहद प्रभावित थीं। किशोरावस्था में ही उन्होंने तय कर लिया था कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में ही करियर बनाना है।

व्हिस्टलिंग वुड्स इंटरनेशनल से निकाली गईं, लेकिन सपनों से नहीं टूटीं

लेकिन शुरुआत आसान नहीं रही। उन्होंने ऑडिशन दिए, लेकिन कई बार रिजेक्ट हुईं। उन्हें बताया जाता था कि वे पारंपरिक हीरोइन जैसी नहीं दिखतीं। इंडस्ट्री में जहां एक खास तरह की खूबसूरती को तरजीह दी जाती है, वहां भूमि के लिए खुद को स्वीकार करवाना चुनौतीपूर्ण था। भूमि ने व्हिस्टलिंग वुड्स इंटरनेशनल में एक्टिंग कोर्स में दाखिला लिया, लेकिन खराब उपस्थिति के कारण उन्हें वहां से निकाल दिया गया।

'दम लगा के हईशा' से मिला बड़ा ब्रेक, 30 किलो वजन बढ़ाया

भूमि ने लगभग 5-6 साल तक वाईआरएफ में काम किया और कई फिल्मों की कास्टिंग प्रक्रिया में हिस्सा लिया। इसी दौरान उन्हें कैमरे के सामने और पीछे दोनों की गहरी समझ मिली। इसी दौरान उन्हें फिल्म 'दम लगा के हईशा' के लिए ऑडिशन देने का मौका मिला।यह फिल्म 2015 में रिलीज हुई और इसमें उन्होंने एक ओवरवेट लड़की 'संध्या' का किरदार निभाया। इस रोल के लिए उन्होंने करीब 30 किलो वजन बढ़ाया।

'दम लगा के हईशा' भूमि के करियर का टर्निंग पॉइंट

'दम लगा के हईशा' भूमि पेडनेकर के जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने संध्या का किरदार निभाया, जो पारंपरिक सोच वाले समाज में आत्मसम्मान के साथ जीने वाली लड़की है। अपनी पहली ही फिल्म से भूमि ने साबित कर दिया कि वह ग्लैमरस लॉन्च नहीं, बल्कि दमदार अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में आई हैं।

यशराज फिल्म्स में असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर बनीं, शानू शर्मा ने दिया मौका

व्हिस्टलिंग वुड्स इंटरनेशनल से निकाले जाने और लगातार मिल रहे रिजेक्शन के बीच उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने [illegible] में ऑडिशन दिया था। उस समय कंपनी की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा नई टीम बना रही थीं। भूमि की समझ, स्क्रिप्ट की पकड़ और कलाकारों को परखने की क्षमता देखकर उन्हें असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर के तौर पर रख लिया गया।

संध्या के किरदार के लिए 30-35 किलो वजन बढ़ाने की चुनौती

इस किरदार के लिए भूमि को जानबूझकर करीब 30-35 किलो वजन बढ़ाना पड़ा। यह फैसला आसान नहीं था। वजन बढ़ाना शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण था। समाज जहां पहले से ही उनके वजन को लेकर टिप्पणी करता था, वहीं अब उन्हें और अधिक आलोचना झेलनी पड़ी। भूमि ने कहती हैं कि उन्होंने यह रोल इसलिए चुना क्योंकि यह असली था। अगर एक सच्ची कहानी के लिए शरीर बदलना पड़े, तो उन्हें कोई अफसोस नहीं था।

'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' से कमर्शियल सिनेमा में मजबूत पहचान

'दम लगा के हईशा' के बाद भूमि को अक्षय कुमार के साथ 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' में बड़ा मौका मिला। इस फिल्म के बाद कमर्शियल सिनेमा में भी उनकी मजबूत जगह बन गई। अब वह सिर्फ कंटेंट फिल्म की अभिनेत्री नहीं, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी भरोसेमंद नाम बन चुकी थीं।

कंगना रनौत संग दोस्ती करना चाहती हैं तापसी पन्नू बोलीं- वो मेरी सीनियर, मन में उनके खिलाफ कुछ नहीं

एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने कहा है कि उनके मन में कंगना रनौत के प्रति कोई गिला-शिकवा या नाराजगी नहीं है, और वह एक्ट्रेस के साथ दोस्ती करने के लिए तैयार हैं। तापसी ने यह भी क्लियर किया कि उन्होंने कभी कंगना से लड़ाई नहीं की, बल्कि एक्ट्रेस तो इंडस्ट्री में उनकी सीनियर हैं। तापसी पन्नू ने हाल ही एक इंटरव्यू में कहा कि कंगना के लिए उनके मन में कई बुरी फीलिंग नहीं है। वह उनके साथ दोस्ती को तैयार हैं और अगर कभी आपस में टकराईं तो वह उनसे सम्मान के साथ मिलेंगी। तापसी ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में कहा, 'मुझे याद नहीं कि मैंने कभी लड़ाई की हो। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी।'

कंगना की सस्ती कॉपी कहे जाने से दिक्कत नहीं, उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा- तापसी पन्नू ने आगे कहा, 'आप ही बताइए कि क्या मैंने कभी उनके खिलाफ एक भी शब्द कहा है? उनकी बहन ने मुझे 'सस्ती कॉपी' कहा। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं यहां उतना पैसा नहीं कमाती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह इतनी शानदार एक्ट्रेस हैं, तो मुझे उनकी कॉपी कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है। आप मेरा कोई भी बयान निकाल लीजिए। मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।' मुझे याद नहीं कि मैंने कभी लड़ाई की हो। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी। आप ही बताइए कि क्या मैंने कभी उनके खिलाफ एक भी शब्द कहा है क्या। उनकी बहन ने मुझे सस्ती कॉपी कहा। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं यहां उतना पैसा नहीं कमाती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह इतनी शानदार एक्ट्रेस हैं, तो मुझे उनकी कॉपी कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है।

क्या तापसी-कंगना की लड़ाई से स्टारकिड्स को फायदा हुआ : तापसी पन्नू से जब पूछा गया कि क्या कंगना रनौत और उनकी लड़ाई से स्टार किड्स को फायदा हुआ क्योंकि दोनों आउटसाइडर्स हैं। तो तापसी बोलीं, 'मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी तरह से किसी न किसी को तो फायदा हुआ ही होगा। जैसा कि मैंने कहा, मेरी तरफ से तो कभी कोई झगड़ा नहीं हुआ। लेकिन मुझे लगता है कि किसी न किसी को तो इससे फायदा जरूर हुआ होगा।' तापसी पन्नू ने कहा कि शायद कुछ लोग ऐसे भी रहे होंगे जो नहीं चाहते थे कि वो साथ काम करें या एक साथ आएं। वह बोलीं, 'क्योंकि उन्हें यह आशंका रही होगी कि अगर हम साथ आते, तो कुछ बहुत ही कमाल का हो सकता था।'

कंगना संग दोस्ती को तैयार तापसी पन्नू, यह बोलीं : यह पूछे जाने पर कि क्या तापसी, कंगना रनौत के साथ दोस्ती करने के लिए तैयार हैं, तो वह बोलीं, 'बिल्कुल। मैंने हमेशा कहा है कि अगर मैं कभी उन्हें आसपास देखूंगी, तो मैं उनसे जरूर मिलूंगी। वह मेरी सीनियर हैं। मैं उनके पास जाकर सम्मानपूर्वक हैलो क्यों नहीं करूंगी? उनका रिएक्शन क्या होगा, इसकी मैं गारंटी नहीं दे सकती। मैं केवल अपने व्यवहार की गारंटी दे सकती हूं।

तापसी पन्नू और कंगना रनौत की लड़ाई कैसे हुई : तापसी पन्नू और कंगना रनौत के बीच लड़ाई कब और कैसे हुई थी, बताते हैं।

दरअसल, अनुराग कश्यप की 'मनमर्जियां' के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में तापसी से पूछा गया था कि वह कंगना को कौन से प्रोडक्ट की सलाह देंगी, तो एक्ट्रेस ने 'डबल फिल्टर' कहा था। इसी बात से कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली नाराज हो गई थीं। तब रंगोली ने ट्विटर (अब एक्स) पर तापसी पन्नू को 'सस्ती कॉपी' कह दिया था। यह विवाद तब और बढ़ गया था जब कंगना रनौत ने 'रिपब्लिक टीवी' को दिए इंटरव्यू में तापसी पन्नू और स्वरा भास्कर को 'बी ग्रेड एक्टर' कह दिया था। इसके बाद तापसी पन्नू ने भी पलटकर जवाब दिया था और दोनों एक्ट्रेसेस के बीच विवाद बढ़ता ही चला गया। हालांकि, अब तापसी ने कंगना के साथ दोस्ती करने की बात कही है।

तहलका मचाने फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' रिलीज के लिए तैयार

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' अब रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई करने वाली धुरंधर पार्ट 1 की सफलता के बाद अब दर्शकों की नजरें इसके दूसरे पार्ट पर टिकी हैं। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी और इससे पहले सीबीएफसी ने इसके रनटाइम और सर्टिफिकेशन की आधिकारिक जानकारी जारी कर दी है।

फिल्म के पहले पार्ट की जबरदस्त लोकप्रियता के बाद यह चर्चा थी कि इसका दूसरा पार्ट लंबाई में कितना बड़ा होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, धुरंधर पार्ट 1 का रनटाइम 3 घंटे 35 मिनट था, जिसमें चार मिनट का पोस्ट-क्रेडिट सीन भी शामिल था। हालांकि पार्ट 2 इस बार कुछ मिनट छोटा होगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म को यूए 16 प्लस सर्टिफिकेट मिला है और इसका कुल रनटाइम 208 मिनट, यानी लगभग 3 घंटे 28 मिनट है। यह स्पष्ट है कि दर्शकों को फिर से एक लंबी और तगड़ी एक्शन-ड्रामा फिल्म देखने को मिलेगी। निर्देशक आदित्य धर की इस फिल्म को लेकर उत्साह पहले से अधिक है, क्योंकि इसका सीधा मुकाबला साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टाक्सिक से होने जा रहा है। दोनों फिल्में एक ही तारीख को रिलीज होंगी और दोनों में ही हाई-ऑक्टेन एक्शन देखने को मिलेगा। इससे बॉक्स ऑफिस पर बड़ा टकराव तय माना जा रहा है। धुरंधर 2 में रणवीर सिंह के किरदार हम्जा अली की कहानी को और विस्तार दिए जाने की उम्मीद है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस बार कहानी और भी अधिक इंटेंस और इमोशनल होगी। इसके अलावा फिल्म में यामी गौतम का कैमियो भी देखने को मिल सकता है, जो दर्शकों के लिए एक और आकर्षण होगा। फिल्म के इस पार्ट में 'बड़े साहब' के किरदार से भी पर्दा उठने की बात कही गई है, जिससे कहानी में नए ट्विस्ट जुड़ने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, दर्शक इस बार जहां धुरंधर 2 को लेकर उत्साहित हैं, वहीं टॉक्सिक को इस सूची में उससे भी अधिक लोकप्रियता मिल रही है।

सागरपुर व रामपुर में 'कानूनी जागरूकता कार्यक्रम' का किया गया सफल आयोजन

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुश्री पायल टोपनो के दिशा निर्देशन में ग्राम पंचायत भवन सागरपुर राशन वितरण केंद्र सागरपुर एवं ग्राम पंचायत भवन रामपुर में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम' का सफल आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पैरालीगल वॉलिंटियर श्री सत्य नारायण ने उपस्थित ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराते हुए कहा कि कानूनी लड़ाई में कभी भी अपने आप को कमजोर न समझे।

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत देश के सभी जिला न्यायालयों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय संचालित है जिसका काम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है आप किसी प्रकार की कानूनी सलाह या सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल कर सकते है। आगे उन्होंने आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक की जानकारी देते हुए लोक अदालत में रखे जाने वाले मामलों की जानकारी और लोक अदालत के फायदे से अवगत कराते हुए मध्यस्थता के बारे में विस्तृत चर्चा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम की सेवाएं, बाल विवाह, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, आबकारी अधिनियम एवं नालसा की नवीन योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सागरपुर एवं रामपुर के सरपंच श्री महेंद्र सिंह, श्री गोषित सिंह श्री सरनाम सिंह, लीगल एड डिफेंस कौंसिल स्टाफ ,सचिव श्री मो.निजामुद्दीन, ग्राम के पंचगण एवं ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने दसवीं बोर्ड के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा की जिले में सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण शुरुआत हुई। जिले में इस बार 10वी में 7 हजार 408 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। बोर्ड परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षकों को बोर्ड के गाइडलाइन के कड़ाई से पालन के निर्देश जारी किए गए हैं तथा औचक निरीक्षण हेतु विभिन्न स्तर पर उड़नदस्ता टीम गठित किए गए हैं। कलेक्टर श्री बीएस उइके के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री जगजीत सिंह धीर सहित अन्य उड़नदस्ता ने पोंड़, पाण्डुका, कोपरा, राजिम सहित अन्य परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था व इंतजाम का जायजा लिया और परीक्षा को पूर्ण गोपनीयता और नियमानुसार परीक्षा संचालन के निर्देश दिए। आज जिले में 10वीं की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुआ, जिले के किसी भी परीक्षा केंद्र से नकल का कोई प्रकरण सामने नहीं आया। जिले में इस वर्ष बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 68 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें गरियाबंद ब्लॉक में 10, छुरा में 17, फिंगेश्वर में 19, मैनपुर में 13, तथा देवभोग में 09 केंद्र शामिल हैं। सभी केंद्रों पर मंडल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। परीक्षा केंद्रों में गोपनीयता बनाए रखने, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा समयबद्ध संचालन के लिए विशेष प्रबंधन किया गया है।

भ्रष्टाचार की धारा 17-ए हटाया जाये

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी तीसरा बजट पेश कर रहे हैं। बजट का लक्ष्य, बढ़ता प्रदूषण, स्वच्छ पीने का पानी, स्ट्रीट डाग की समस्या, टेण्डर प्रक्रिया व भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए विशेष प्रावधान लाया जाये। इसके लिए सरकार को भी न्याय पालिका कटघेरे में ले रही है। इन सभी के लिए नगर निगम के भरोसे इसे सक्षम नहीं बनाया जा सकता। बजट में एक्शन का प्लान आना चाहिए, घोषणाएं धरातल पर आना चाहिए, बजट में नये प्रावधान लाये कि अधिकारियों की जिम्मेदारी व कार्य के प्रति लापरवाही पाए जाने पर सजा का प्रावधान हो, बजट में घोषित सभी प्रावधानों का पूर्णतः पालन हो।

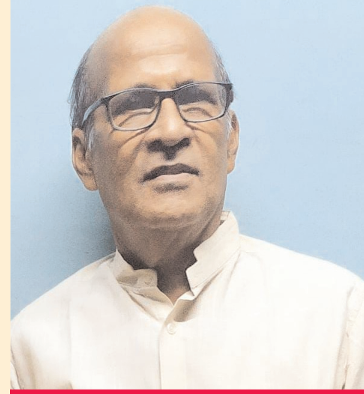

सतीश कुमार जैन
अध्यक्ष, मर्चेन्ट एसोसियेशन गोलबाजार, रायपुर (छ.ग.)

भ्रष्टाचार, शिष्टाचार, नवाचार बन गया है। भ्रष्टाचार समाज की एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, इसके नियंत्रण के लिए सरकारी कार्यों पर निष्पक्षता, पारदर्शिता, जवाबदेही, बढ़ाना आवश्यक है। सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण करें, मानवीय हस्तक्षेप कम किया जाये, स्वतंत्र जाँच एजेन्सियों को मजबूत किया जाये। सरकारी अफ्सरों पर भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए धारा 17-ए के तहत् अनुमति लेनी पड़ती है, धारा 17-ए को रद्द किया जाये, यह भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का प्रावधान है। यह ईमानदार व सत्यनिष्ठ अधिकारियों की रक्षा के बजाय भ्रष्ट लोगों को संरक्षण प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ के जमीन का सीमांकन आज भी चांदा व कड़ी से होता है, जबकि आन्ध्रप्रदेश में रोलर सिस्टम चालू हो गया है। सीमांकन के लिए यह प्रावधान लाया जाये कि एक बार सीमांकन हो जाने के बाद उसकी अपील सिर्फ कोर्ट में हो। सीमांकन के फेर में तहसील में भ्रष्टाचार का सेल चलता है, इसके लिए अनावश्यक तहसील का चक्कर लगाना पड़ता है। तहसील में ऑनलाईन सुनवाई हो, जब हाईकोर्ट में सुनवाई हो सकती है, तब यहाँ क्यों नहीं? तहसील में सिविल कोर्ट प्रशासनिक व्यवस्था अलग से बनाई जाये।

बस्तर में जिस प्रकार नक्सलियों की समस्या खत्म की जा रही है वहां फिर से नक्सली पैदा नहीं हो इसके लिए बजट में विशेष प्रावधान लाया जाये। यूजर चार्ज, बिजली का युक्तियुक्तकरण किया जाये, मंडी टैक्स हटाया जाये, जितना राजस्व आता नहीं उससे ज्यादा शासन का लगता है। बजट में विकसित छत्तीसगढ़ उद्योगों को राहत, पर्यटन, गुड गवर्नेस व तुरन्त एक्शन का प्लान होना चाहिए। बजट बिना कर प्रस्ताव से राजस्व बढ़ाने वाला होना चाहिए।

अनुकंपा एवं लंबित पेंशन प्रकरणों का तय समय-सीमा में करें निराकरण : कलेक्टर वसंत

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले के समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ), संबंधित अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

पद एवं विषयवार रिक्त पदों पर भर्ती

कलेक्टर श्री वसंत ने जिले के सभी शासकीय स्कूलों की पदवार एवं विषयवार रिक्तियों की जानकारी ली। उन्होंने आगामी शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पूर्व अतिथि शिक्षक एवं अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नए सत्र में किसी भी विद्यालय में शिक्षक की कमी के कारण शिक्षण कार्य बाधित नहीं होना चाहिए।

बौद्धिक विकास के न्यूज़ डेस्क और बेसिक नॉलेज

बैठक में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में फ्फन्यूज डेस्कफ्फ के रूप में दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में समसामयिक ज्ञान एवं अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा। साथ ही प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान के 25 से 30 प्रश्न-उत्तर तैयार कर नियमित अभ्यास कराने के निर्देश भी दिए।

एमडीएम और बुनियादी सुविधाएं

कलेक्टर ने आगामी सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी जर्जर एवं मरम्मत योग्य स्कूल भवनों की सूची तैयार कर चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबे समय से बिना सूचना के अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय जांच कर नियमानुसार बर्खास्तगी की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मध्याह्न भोजन (एमडीएम) के संबंध में कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में गैस सिलेंडर का उपयोग सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हांकित कर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही एमडीएम की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

अनुकंपा एवं लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण

बैठक में अनुकंपा नियुक्ति एवं लंबित पेंशन प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित कर्मचारियों को जिला कार्यालय की स्वीकृति के बिना पुनः उपस्थिति की अनुमति न दी जाए। उन्होंने सभी शिक्षकों की आधार आधारित उपस्थिति (बायोमेट्रिक/आधार लिंक) पंजीयन प्रक्रिया शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पेयजल विहीन स्कूलों की जानकारी लेते हुए प्रत्येक विद्यालय परिसर में आवश्यकतानुसार एक बोरवेल खनन कराने के निर्देश दिए।

अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर ने बच्चों के अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। सभी बीईओ को निर्देशित किया गया कि विद्यार्थियों के जन्म प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर प्रकरण एसडीएम कार्यालय को प्रेषित करें। विभागों के समन्वय से प्रमाण पत्र निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दस्तावेजीकरण और शिविरों का आयोजन

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए प्रमाण पत्र निर्माण हेतु ब्लॉक स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय-सीमा में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ दिनेश झा, डीएमसी श्री सर्वजीत पाठक सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित बीआरसी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची का किया गया अंतिम प्रकाशन

एसआईआर के बाद जिले में 04 हजार 909 मतदाताओं की वृद्धि

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार कांकेर जिले में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया। राज्य भर में 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए और चार महीने तक लगातार चले एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के विभिन्न चरणों के प्रभावी संचालन के बाद आज शनिवार को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के अनुसार कांकेर जिले की कुल मतदाता 05 लाख 40 हजार 273 हो गई है। एसआईआर पश्चात 04 हजार 909 मतदाताओं की वृद्धि हुई हैं। मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने या मतदाता सूची से अपना नाम हटवाने से संबंधित दावे और आपत्तियां 23 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी .2026 के बीच प्रस्तुत किए गए थे। प्राप्त दावे, आपत्तियों का निराकरण 14 फरवरी 2026 तक किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनधिनियों की आज बैठक लेकर विधानसभावार अंतिम मतदाता सूची के आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 01 लाख 68 हजार 225 मतदाता, भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र 01 लाख 96 हजार 151 मतदाता और कांकेर विधानसभा क्षेत्र में 01 लाख 75 हजार 897 मतदाता हैं, इस प्रकार जिले के कुल मतदाता 05 लाख 40 हजार 273 है। एसआईआर के दौरान अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2808 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए तथा 1506 मदताओं के नाम काटे गए। इस प्रकार इस विधानसभा क्षेत्र में 1302 मतदाताओं की वृद्धि हुई, वही भानुप्रतापुर विधानसभा क्षेत्र में 2224 मतदाताओं के नाम जोड़े गए और 488 मतदाताओं के नाम काटे गए, इस प्रकार कुल 1736 मदताओं की वृद्धि हुई। कांकेर विधानसभा क्षेत्र में 2048 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जोड़े गए और 177 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में काटे गए। इस प्रकार 1871 मतदाताओं की वृद्धि हुई। इस प्रकार कांकेर जिले में 7080 मतदाताओं के नाम जोड़े तथा 2171 के नाम काटे गए। इस प्रकार जिले में कुल 4909 मतदाताओं की वृद्धि हुई। बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को कलेक्टर द्वारा मतदाता सूची के प्रतियां भी प्रदाय की गई। उन्होंने बताया कि यदि किसी मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो नाम दर्ज कराने के लिए फार्म-6 भरकर उसके साथ घोषणा पत्र और आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफ्लाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01 सिरपुर भवन
व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा वीर सावरकर नगर हीरापुर कालोनी, रायपुर में निर्मित LIG भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक LIG-1460 श्रीमती सीमा रोचलानी पति श्री राजकुमार रोचलानी को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 20.07.2018 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 02/02/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती अर्चना जटाशंकर चौधरी पति श्री विभाकर मिश्रा के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

नाम परिवर्तन की सुचना

मैं एस आलिया अहमद कुरैशी (S AALIYA AHMED QURAISHI) उम्र 18 वर्ष पिता एस एम ए कुरैशी (S M A QURAISHI) पता -सेक्टर-2, प्रोफेसर कॉलोनी, सुमेरु मठ के पीछे, रायपुर (छ. ग.)। मेरे कक्षा 10वी, 12वी की अंकसूची (मार्कशीट्स) में मेरा वास्तविक नाम एस आलिया अहमद कुरैशी (S AALIYA AHMED QURAISHI) पिता- एस एम ए कुरैशी (S M A QURAISHI) दर्ज है। मेरा जन्म प्रमाणपत्र में मेरा नाम- सैय्यदा आलीया अहमद कुरैशी पिता- सैय्यद मोहम्मद अहमद उल्लाह कुरैशी दर्ज है व आधार कार्ड में सैय्यदा आलिया अहमद कुरैशी (SAYEDA AALIYA AHMED QURAISHI) पिता एस.एम.ए. कुरैशी (S.M.A. QURAISHI) तथा कक्षा 1 से 9वी एवं 11 वी की अंकसूची (मार्कशीट्स) में मेरा नाम S AALIYA AHMED QURAISHI पिता- S.M.A. QURAISHI दर्ज है इस तरह अलग अलग दस्तावेज में मेरा व मेरा पिता का नाम अलग-अलग नाम से अंकित होने के कारन सरकारी कार्यों एवं पासपोर्ट आवेदन में समस्या उत्पन्न हो रही है। नाम भिन्न भिन्न अंकित हो जाने की विसंगति की वजह से आज से मैं अपना एक ही नाम एस आलिया अहमद कुरैशी (S AALIYA AHMED QURAISHI) पिता एस एम ए कुरैशी (S MA QURAISHI) है को निरंतर रखना चाहती हूँ।

अतः आज दिनांक से मुझे केवल एस आलिया अहमद कुरैशी (S AALIYA AHMED QURAISHI) पिता- एस एम ए कुरैशी (S M A QURAISHI) के नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जावे तथा मुझसे सम्बन्धित समस्त अभिलेखों आधार, जन्म प्रमाणपत्र आदि में भी मेरा यही नाम दर्ज किया जाए।

रायपुर
दिनांक 18.02.2026

शपथकर्ता / निष्पादक
मैं एस आलिया अहमद कुरैशी (S AALIYA AHMED QURAISHI) उम्र 18 वर्ष पिता- एस एम ए कुरैशी (S M A QURAISHI)
पता- सेक्टर-2, प्रोफेसर कॉलोनी, सुमेरु मठ के पीछे, रायपुर (छ. ग.)

दैनिक प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री, नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस
संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
62629 04444
ई-मेल : pratidincg@gmail.com
E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

क्रिकेट सट्टा गिरोह कोलकाता में पकड़ाया आधा दर्जन आरोपियों से पूछताछ

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

रायगढ़ पुलिस ने इंटर स्टेट क्रिकेट सट्टा गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता के एक होटल में छापा मारते हुए 5 क्रिकेट सटोरियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 36 हजार नगद के अलावा लाखों की संपत्ति जब्त की है। ये सभी सटोरी होटल से ही कई राज्यों में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच में ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग ऐप से क्रिकेट सट्टा खिला रहे थे। पिछले साल 23 अप्रैल को कोतवाली और साइबर सेल की टीम ने गांजा चौक पर रेड कर अमित अग्रवाल नामक को क्रिकेट सट्टा नोट करते पकड़ा गया था। आरोपियों से एक नग मोबाईल के अलावा नगदी रकम 1 लाख 20 हजार जब्त कर जुआ एक्ट की कार्रवाई की गई। इस मामले में शेख मोहम्मद, मोहम्मद शाहबाज, मोहम्मद मजहर, मोहम्मद फारूक की भी संलिप्तता पायी गई थी, ये सभी आरोपी फरार थे। कोतवाली पुलिस इन फरार आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया। जिसके बाद न्यायालय से वारंट जारी हुआ था।

इसी प्रकार 22 अप्रैल को चक्रधरनगर कालेज सब्जी मंडी के पास मोबाईल के माध्यम से आन लाईन क्रिकेट सट्टा खेला रहे अंकित बानी एवं भरत कुमार को पकड़ा गया था, पूछताछ में उन्होंने अपने अन्य साथीगण साहबाज, मजहर, फारख, मन्नू, एजाज अहमद, मोनू भूटानी, अमित अग्रवाल के साथ मिलकर एक चैनल बनाकर छत्तीसगढ़ कोलकत्ता में मोबाईल में लिंक के माध्यम से दाव लगाकर गया। जिसके बाद चक्रधर नगर थाना में धारा 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम (जुआ एक्ट) के तहत गिरफ्तार दो आरोपी अंकित बानी और भरत कुमार रोहिला को गिरफ्तार कर शेष 7 आरोपियों के विरूद्ध फरारी में चालान पेश किया गया था।

सुप्रिया से प्रेरणा लेकर युवाओं को अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए-मुख्यमंत्री साय

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन स्थित अपने कार्यालय में सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथा रैंक प्राप्त करने वाली मुंगेली की सुसुप्रिया को सम्मानित किया। उन्होंने सुप्रिया और उनके परिजनों को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और मुँह मीठा कराया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुप्रिया की सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदार हों, तो साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी असाधारण उपलब्धि हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि सुप्रिया का अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को सुप्रिया से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य पाने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर मुंगेली कलेक्टर कुन्दन कुमार भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जिले के ग्राम टेढ़ाधौंरा की 23 वर्षीय सुप्रिया ठाकुर ने सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक प्राप्त कर मुंगेली जिला सहित राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। अपनी प्रतिभा, अनुशासन और देशसेवा के अटूट संकल्प के बल पर वे भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित हुई हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं दी है।

साधारण परिवेश से असाधारण उपलब्धि तक

ग्राम टेढ़ाधौंरा निवासी सुप्रिया सिंह श्रीनेत एक किसान परिवार से आती हैं। उनकी माता श्रीमती संतोषी सिंह श्रीनेत और पिता वैदेही शरण सिंह, जो पेशे से किसान हैं, ने सदैव उन्हें शिक्षा और संस्कारों का मजबूत आधार दिया। परिवार के स्नेहिल और अनुशासित वातावरण में पली-बढ़ी सुप्रिया ने प्रारंभिक शिक्षा सेंट जोसेफ हायर सेकेंडरी स्कूल से प्राप्त की। उन्होंने कक्षा 10वीं में 71 प्रतिशत और 12वीं में 58 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके बाद उन्होंने बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकम्युनिकेशन) में स्नातक की डिग्री हासिल की। इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान ही उन्होंने एनसीसी को अपनाया और अपने नेतृत्व कौशल के बल पर जूनियर अंडर ऑफिसर के पद तक पहुंचीं। एनसीसी के प्रशिक्षण ने उनके भीतर अनुशासन, साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ किया। यहीं से भारतीय सेना में अधिकारी बनने का उनका संकल्प आकार लेने लगा।

दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम का परिणाम

वर्ष 2023 में इंजीनियरिंग पूर्ण करने के बाद सुप्रिया ने पूरी एकाग्रता के साथ सीडीएस परीक्षा की तैयारी प्रारंभ की। कठोर परिश्रम, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने शॉर्ट सर्विस कमिशन के अंतर्गत आयोजित एसएसबी साक्षात्कार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल की। उनकी यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचल की बेटियों के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलने वाली प्रेरक कहानी है। शैक्षणिक और सैन्य उपलब्धियों के साथ-साथ सुप्रिया सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रही हैं। नृत्य उनकी प्रमुख रुचि है, जो उनके व्यक्तित्व को ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान करता है। सुप्रिया सिंह श्रीनेत की यह सफलता न केवल मुंगेली, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

लकड़ियों का अवैध परिवहन, तीन वाहन जब्त

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

वन विभाग की उड़नदस्ता टीम एवं खरसिया फॉरेस्ट की संयुक्त कार्रवाई में भालूनारा फॉरेस्ट बैरियर के पास अवैध रूप से परिवहन की जा रही लकड़ियों से भरे तीन वाहनों को पकड़ा गया। कार्रवाई देर रात से लेकर तड़के सुबह तक चली।

पहली कार्रवाई में बीती रात साढ़े 8 बजे रात को माजदा वाहन क्रमांक को पकड़ा गया। वाहन में आम प्रजाति की लकड़ी सहित कुल 05 चट्ठा लोड था। वाहन छाल से खरसिया होते हुए रायपुर की ओर जा रहा था। चालक का नाम सोभनाथ चंद्रा, निवासी गौरेला पेंड्रा बताया गया है।

दूसरी कार्रवाई में रात 02 बजे रात को माजदा गाड़ी को रोका गया। वाहन में सेमल एवं मिश्रित प्रजाति की 05 चट्ठा लकड़ी लोड थी। यह वाहन पत्थलगांव से खरसिया होते हुए रायपुर जा रहा था। चालक का नाम चेतन उर्फ शंकर साहू, निवासी बलौदाबाजार बताया गया है।

तीसरी कार्रवाई बीती रात 11:30 बजे रात को पिकअप वाहन को पकड़ा गया। यह वाहन ग्राम खैरा, तहसील डभरा, जिला सक्ती से घरघोड़ा की ओर जा रहा था। वाहन में मिश्रित लकड़ी के 16 नग तख्त को हिरासत में लिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी वाहनों को जब्त कर संबंधित चालकों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सोयाबीन फैक्ट्री में मजदूर की संदिग्ध मौत

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

विगत 4 फरवरी को जूटमिल थानांतर्गत ग्राम भाठनपाली के सोयाबीन फैक्ट्री में खाना खाने के दौरान श्रमिक की हुई मौत के मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब मृतक के पिता ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए अपने पुत्र की हत्या होने की आशंका जताई। वहीं आवेदन देते हुए घटना की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। पुसौर क्षेत्र के ग्राम केनसरा निवासी मकरध्वज मालाकार ग्राम भाठनपाली स्थित सोयाबीन फैक्ट्री के लेबर क्वार्टर में रहते हुए कंपनी में मजदूरी करता था। विगत 4 फरवरी की सुबह रूम में उसकी लाश मिली थी। पास में ही खाने की थाली रखी थी। इस मामले में गुरूवार को मृतक के पिता डुलेश्वर मालाकार ने पुलिस अधीक्षक के नाम दिये गये आवेदन में कहा कि सूचना मिलने पर वह अपने छोटे बेटे के साथ सोयाबीन फैक्ट्री के लेबर क्वार्टर पहुंच कर देखा तो मकरध्वज अपने पलंग पर लुढका हुआ था और भोजन की थाली में उसका मुंह था। उसका चेहरा काला पड़ होने की आशंका के को सीधे अस्पताल भिजवा दिया था। इस मामले को लेकर न तो फैक्ट्री मालिक से किसी प्रकार की पूछताछ की गई और न ही उसके साथ काम करने वाले किसी मजदूर से कोई पूछताछ हुई। इसके अलावा फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच नहीं की गई। नियमानुसार जिस कमरे में लाश मिली है उसे तत्काल सील कर दिया जाना था, परंतु ऐसा भी नहीं किया गया। मृतक मकरध्वज के पिता ने फैक्ट्री मालिक, मैनेजर व अन्य मजदूरों पर शंका जाहिर करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराये जाने की मांग की है।

बेटे ने की निष्पक्ष जांच की मांग

पेड़ में टंगी मिली युवक की लाश, जांच शुरू

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

घरघोड़ा बायपास के पास कसईया नाला के बगल में डुमर पेड़ में एक युवक की टंगी हुई लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार घरघोड़ा के ग्राम कैसैय्या नाला के डुमर पेड़ में मिली लाश कि के पहचान राम कुमार पिता घसिया राठिया (20) निवासी औरामुड़ा फगुरम के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक के परिजनों के बताये अनुसार युवक का स्वस्थ सही नहीं होने के कारण इलाज कराया जा रहा था।

आज शाम को कैसईय्या नाला के पास डुमर पेड़ में युवक कि लाश मिली है। थाना प्रभारी कुमार गौरव टीम के साथ मौके पर मौजूद होकर जाँच में जुटे हुए है। मौके पर वार्ड 1 पार्षद बैतल राठिया मृतक के परिजनों के साथ मौजूद है। पुलिस ने जाँच को सघनता से करने के लिए एफएसएल कि टीम को बुलाया है। घरघोड़ा थाना प्रभारी ने बताया प्रथम दृटिया युवक की मौत आत्महत्या का प्रतीत होता है फिलहाल पुलिस मामले कि जाँच में जुट गई है पुलिस की जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा।

जिले में 1 मार्च से लगेगा समाधान शिविर, जन समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले में समग्र विकास सुनिश्चित करने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, कृषि और पेयजल सहित बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया, लैलूंगा विधायक श्रीमती विद्यावती सिदार, नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभी जनपदों के जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित समिति के सदस्यगण, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वनमंडलाधिकारी रायगढ़ श्री अरविंद पीएम, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने कहा कि जिले के समग्र विकास के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। विधायक श्रीमती विद्यावती सिदार ने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 01 मार्च से समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी विभागों को कार्ययोजना तैयार कर शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा शिविरों का व्यापक प्रचार करने के निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

बैठक में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल समस्या वाले ग्रामों को चिन्हांकित कर वैकल्पिक जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने, विकासखंड मुख्यालयों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर उपलब्ध रखने तथा खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने और मैदानी क्षेत्रों सहित हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत तारों की मरम्मत कर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सड़क, पेयजल और विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने बताया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में डीएमएफ अंतर्गत लगभग 1015 किसानों को तिलहनी फसलों के प्रोत्साहन हेतु ऑयल सीड उपलब्ध कराया गया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 12 सड़कों को स्वीकृति दी गई है, जिनमें से अधिकांश का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। घरघोड़ा, तमनार, लैलूंगा, कापू और धरमजयगढ़ क्षेत्रों में 126 स्वास्थ्य केंद्र भवनों तथा 75 से अधिक स्कूल भवनों की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्व सहायता समूहों के बैंक लिंकेज, लखपति दीदी तथा सांसद आदर्श ग्राम योजना की प्रगति की जानकारी दी और बताया कि अधिकांश लक्ष्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

दिशा समिति की बैठक में एजेंडावार योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन, पुष्प क्षेत्र विस्तार, ग्राफ्टेड बैंगन एवं टमाटर सीडलिंग कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बताया गया कि फल, सब्जी एवं बागवानी उत्पादों के संरक्षण हेतु कोल्ड स्टोरेज निर्माण या आधुनिकीकरण पर शासन द्वारा 50 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है। विद्युत विभाग द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 3 किलोवाट तक सौर पैनल स्थापना पर 1 लाख 8 हजार रुपये तक सब्सिडी उपलब्ध होने तथा शेष राशि आसान किस्तों में बैंक ऋण फसल बीमा योजना एवं किसान सम्मान निधि, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, गर्भवती एवं शिशु पंजीयन, टीकाकरण, राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम, आयुष्मान योजना तथा सिकल सेल जांच की प्रगति की समीक्षा की गई।

शासकीय आईटीआई परिसर, घरघोड़ा में प्लेसमेंट कैंप 24 को

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत आवेदकों के लिए 24 फरवरी, मंगलवार को प्रातः 10:30 बजे से शासकीय आईटीआई परिसर, घरघोड़ा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। निजी क्षेत्र की विभिन्न रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से आयोजित इस कैंप में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के योग्य अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कैंप में शामिल होने के लिए आवेदक का ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

इस प्लेसमेंट कैंप में.परिश्रम रिसोर्स प्रा. लि., गुरुग्राम (हरियाणा) द्वारा मीटर इंस्टॉलर एवं सुपरवाइजर के 300 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए आईटीआई एवं नॉन आईटीआई अभ्यर्थी पात्र होंगे तथा वेतनमान 15,000 से 25,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है। इसके अतिरिक्त में.एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, रायगढ़ द्वारा लाइफ मित्र के 120 पद (योग्यता 10वीं पास, वेतनमान 5,000 से 10,000 रुपये), सेल्स ऑफिसर के 40 पद (योग्यता स्नातक, वेतनमान 15,000 से 20,000 रुपये) तथा डेवलपमेंट ऑफिसर के 20 पद (योग्यता स्नातक, वेतनमान 20,000 रुपये प्रतिमाह) पर भर्ती की जाएगी। इन पदों का कार्यक्षेत्र तमनार, घरघोड़ा, लैलूंगा एवं धरमजयगढ़ क्षेत्र रहेगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैंप में भाग ले सकते हैं।

114 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को दिया गया एनसीडी प्रशिक्षण

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

19 फरवरी 2026/कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री एस.एन. केशरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ तथा एकम फाउंडेशन के सहयोग से गैर संचारी रोग (एनसीडी) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले के 114 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को छत्तीसगढ़ में टाइप 1 डायबिटीज के बढ़ते प्रभाव, परामर्श तकनीक, सामुदायिक जागरूकता तथा इसके नैदानिक प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान पेशेंट सपोर्ट ग्रुप और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की भूमिका के साथ-साथ रोगियों एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी गहन चर्चा की गई। प्रशिक्षण में विशेष रूप से इस बात पर बल दिया गया कि स्वास्थ्य कर्मी किस प्रकार टाइप 1 डायबिटीज मरीजों और उनके परिवारों को सामाजिक, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आर्थिक बोझ से निपटने के लिए प्रभावी परामर्श प्रदान कर सकते हैं।

इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र को सीएमएचओ डॉ केशरी, शिशु रोग एवं जिला प्रबंधक (अस्पताल) कुमारी गीता एक्का द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला प्रबंधक (एन.एच.एम.) श्री पद्माकर शिंदे तथा एनसीडी कंसल्टेंट डॉ. नरेन्द्र जायसवाल का विशेष सहयोग रहा।

'टेली मानस' और 'टोरेंट प्रोजेक्ट' से घर बैठे मिल रही निःशुल्क परामर्श सुविधा

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

भागदौड़ भरी जीवनशैली और बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य आज सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के दिशा-निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. दिनेश पटेल के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय रायगढ़ के माध्यम से 'टेली मानस' सेवा के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

'टेली मानस' भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका पूरा नाम टेली मेंटल हेल्थ असिस्टेंस एंड नेटवर्किंग अक्रॉस स्टेट्स है। इस सेवा के माध्यम से जिले का कोई भी व्यक्ति घर बैठे मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकता है। यह सुविधा पूरी तरह गोपनीय है और 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध रहती है।एक लाख 75 हजार से अधिक लोगों की मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, 24 घंटे उपलब्ध टोल-फ्री सेवा 14416 कलेक्टर के निर्देशन में जिला अस्पताल की पहल, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच इसी कड़ी में जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर केनन डेनियल द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बेंगलुरू स्थित निमहांस के समन्वय से जिले में 'टोरेंट प्रोजेक्ट' का भी सफल संचालन किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को मानसिक स्वास्थ्य विषय पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें मानसिक रोगों की पहचान एवं स्क्रीनिंग के लिए 'मेरिट' नामक विशेष टूल उपलब्ध कराया गया है। प्रशिक्षित सीएचओ द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सघन मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग अभियान संचालित कार्य के सफल संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा द्वारा किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जिले के लगभग एक लाख 75 हजार नागरिकों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जांच की जा चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार तीव्र तनाव का आवेग कई बार अल्प समय के लिए आता है, लेकिन यदि समय रहते परामर्श न मिले तो व्यक्ति गंभीर कदम उठा सकता है।

धूम्रपान मुक्त ग्राम पंचायत बनाने बेलसोंडा में बनी ग्राम स्तरीय समन्वय समिति

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आई नागेश्वर राव के निर्देशन में ग्राम पंचायत बेलसोंडा को धूम्रपान मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के उद्देश्य से बेलसोंडा में ग्राम स्तरीय समन्वय समिति का गठन व बैठक आयोजित की गई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीलू घृतलहरे एवं जिला नोडल अधिकारी एन टी सी पी डॉक्टर छत्रपाल चंद्राकर की उपस्थिति में बैठक संपन्न की गई। बैठक में सरपंच, उपसरपंच, पंच, शिक्षा विभाग के संकुल समन्वयक, शिक्षक, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्रामीण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे। बैठक में पीपीटी के माध्यम से धूम्रपान के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया व नशा मुक्ति केंद्र व कोटपा अधिनियम के समस्त धाराओं के बारे में विस्तार से समझाया गया तथा मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, टी बी मुक्त पंचायत विषय पर चर्चा की गई। से समझाया गया व उससे संबंधित आईईसी वितरित की गई। विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षकों को शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त करने के मापदंडों को विस्तार से समझाया गया व जवमिप की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

स्वच्छ भारत मिशन बना शिवकुमार की आजीविका का आधार

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसर आमजनों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहा है। इसी कड़ी में जिले के विकासखंड लोरमी अंतर्गत ग्राम झझपुरी कला के निवासी श्री शिवकुमार साहू सीमित संसाधनों के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भर बने हैं। ग्राम झझपुरी कला में श्री साहू ने सामुदायिक शौचालय परिसर में निर्मित कक्ष में आटो पार्ट्स की दुकान प्रारंभ की। आज यह दुकान उनके लिए स्थायी आय का प्रमुख स्रोत बन चुकी है। दुकान से उन्हें प्रतिमाह लगभग 06 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतर ढंग से कर पा रहे हैं।

साहू पहले जहां आर्थिक अस्थिरता के कारण भविष्य को लेकर चिंता बनी रहती थी, वहीं अब नियमित आय ने उनके जीवन में आत्मविश्वास और स्थिरता ला दी है। उन्होंने बताया कि पहले आजीविका के स्थायी साधन नहीं होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, जिससे जीवनयापन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब आत्मनिर्भरता का साधन मिल गया है।

भारत और ब्राजील ने डाक क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील ने डाक क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह डाक सेवाओं, डिजिटल परिवर्तन और समावेशी सेवा वितरण में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

भारत सरकार के संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और ब्राजील के संचार मंत्री महामहिम श्री फ्रेडरिको डी सिकेरा फिल्हो ने ब्राजील गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यह समझौता भारत के डाक विभाग और ब्राजील के संचार मंत्रालय के बीच सहयोग के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करता है। इसका उद्देश्य डाक क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ाना है।

(श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और श्री फ्रेडरिको डी सिकेरा फिल्हो ने भारत और ब्राजील के बीच डाक क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया।)

समझौता ज्ञापन में निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग का प्रावधान है:

डाक क्षेत्र की नीतियों और संचालन में सर्वोत्तम प्रणालियों और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान

सार्वभौमिक सेवा को सुदृढ़ बनाना और प्रणालियों का समाधान करना

डिजिटल परिवर्तन, ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स और डाक वित्तीय सेवाओं में सहयोग

क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और तकनीकी आदान-प्रदान

पारस्परिक हित की संयुक्त पहल और रणनीतिक परियोजनाएं

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) सहित बहुपक्षीय मंचों में समन्वय को बढ़ाना

समावेशी और सतत विकास के लिए दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देना

यह साझेदारी अधिकारियों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान दौरों, संयुक्त कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन और दोनों पक्षों के बीच व्यवस्थित सूचना साझाकरण के माध्यम से कार्यान्वित की जाएगी।

यह समझौता ज्ञापन डाक प्रणालियों के आधुनिकीकरण और आर्थिक विकास, वित्तीय समावेशन और अंतिम छोर तक सेवा वितरण के इंजन के रूप में अपने नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए भारत और ब्राजील की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत डाक व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने के अपने अनुभव साझा करेगा जिसमें डिजिटल सेवाएं, ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स और नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक सेवा वितरण शामिल हैं। उम्मीद है कि यह समझौता तेजी से बदलते बाजार परिवेश में डाक संचालकों की वित्तीय स्थिरता और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के प्रयासों में भी सहयोग देगा।

यह समझौता ज्ञापन प्रारंभ में पांच वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगा, जिसमें स्वतः नवीनीकरण का प्रावधान होगा, और इसे दोनों देशों के कानूनों और विनियमों के अनुसार कार्यान्वित किया जाएगा।

यह सहयोग भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करता है और वैश्विक दक्षिण के प्रमुख साझेदारों के रूप में दोनों देशों के बीच गहन जुड़ाव में योगदान देता है।

(भारत और ब्राजील के अधिकारियों ने श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और श्री फ्रेडरिको डी सिकेरा फिल्हो के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान डाक सहयोग पर एक द्विपक्षीय बैठक की।)

भारत की अगली कृषि क्रांति AI-संचालित होगी: डॉ. जीतेंद्र सिंह

नई दिल्ली। भारत की अगली कृषि क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से संचालित होगी, यह बात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह ने आज मुंबई में आयोजित AI4Agri 2026 शिखर सम्मेलन में कही। उन्होंने एआई (AI)को खेती नीति, अनुसंधान और निवेश ढांचे का केंद्रीय स्तंभ बताया।यहां आयोजित "ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन AI इन एग्रीकल्चर एंड इन्वेस्टर समिट 2026" के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि AI उन संरचनात्मक चुनौतियों के लिए पहली बार बड़े पैमाने पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत करता है जो लंबे समय से खेती उत्पादकता को सीमित कर रही हैं – अनियमित मौसम, जानकारी की असमानता और टुकड़े-टुकड़े बाज़ार।

- **कृषि-AI किसानों के लिए वार्षिक 70,000 करोड़ रुपये का मूल्य उत्पन्न कर सकता है, मंत्री का दावा**
- **केंद्र राष्ट्रीय Agri-AI अनुसंधान नेटवर्क और डेटा कॉमन्स ढांचा बनाएगा: डॉ. जीतेंद्र सिंह**

उन्होंने कहा, "AI जो प्रस्तुत करता है वह कोई नई रोग-निदान नहीं है; यह अंततः एक ऐसा उपचार है जिसे पूरे देश में बड़े पैमाने पर लागू किया जा सकता है।" उन्होंने यह भी नोट किया कि वैश्विक दक्षिण के लगभग 60 करोड़ किसानों के लिए भी यदि उत्पादकता में केवल 10% की वृद्धि हो जाए, तो यह उनके अनुसार इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर होगा।

कृषि को एक पुराने, परंपरागत क्षेत्र के बजाय एक रणनीतिक क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए डॉ. जीतेंद्र सिंह ने इस AI-प्रयास को 10,372 करोड़ रुपये के इंडिया AI मिशन से जोड़ा, जो स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटासेट और स्टार्टअप ढांचे का बड़े पैमाने पर निर्माण कर रहा है। उन्होंने भारतजन (BharatGen) – भारत के सरकार-स्वामित्व वाले बड़े भाषा-मॉडल पारिस्थितिकी-तंत्र – की चर्चा की, जिसने पहले ही "Agri Param" नामक एक क्षेत्र-विशिष्ट कृषि मॉडल जारी किया है जो 22 भारतीय भाषाओं में काम करता है और किसानों को अपनी मातृभाषा में सलाह-सहायता तक पहुँच देता है। उन्होंने कहा, "यह वह AI है जो किसान से मराठी, भोजपुरी या कन्नड़ में बात करता है," और भाषाई समावेशन के महत्व पर ज़ोर दिया। मंत्री ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) इंडिया AI ओपन स्टैक को समर्थन दे रहा है, जो एक खुला, अंतरसंचालित (interoperable) ढांचा है, ताकि देश के किसी भी हिस्से में विकसित किए गए Agri-AI समाधान राष्ट्रीय फ्रेमवर्क में आसानी से जुड़ सकें।

अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (Anusandhan NRF) IITs, IISc और ICAR के साथ मिलकर डीप-टेक और AI अनुसंधान को वित्त पोषित कर रहा है, जिसमें कृषि अनुप्रयोग भी शामिल हैं। डॉ. सिंह ने ड्रोन और उपग्रह-आधारित मैपिंग की ओर इशारा किया, जो पहले से ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड और स्वामित्व मिशन को मजबूत कर रही हैं, क्योंकि वे भूमि और मिट्टी के सत्यापित डेटा प्रदान करती हैं। उन्होंने जलवायु बुद्धिमत्ता (climate intelligence) में निवेश की बात की, जहाँ पृथ्वी विज्ञान और AI को प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में एकीकृत किया जा रहा है, ताकि किसान "घबराएं नहीं, बल्कि योजना बनाएं।" उन्होंने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी (biotechnology) की भूमिका टिकाऊ और रोग-प्रतिरोधी फसलों के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी, जिसमें कीट और पौधों के रोगों का शुरुआती, लक्षण-रहित पता लगाना भी शामिल है, साथ ही एक चक्रीय फसल अर्थव्यवस्था (circular crop economy) को आगे बढ़ाने में भी यह महत्वपूर्ण योगदान देगी।

संभावनाओ के पैमाने पर प्रकाश डालते हुए डॉ. जीतेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के लगभग 14 करोड़ खेती इकाइयाँ, जिनमें अधिकांश छोटे और सीमांत किसान हैं, एक साथ वार्षिक लगभग 70,000 करोड़ रुपये का मूल्य उत्पन्न कर सकती हैं, अगर AI-संचालित सलाह प्रत्येक किसान को बेहतर निवेश-समय, कीट-भविष्यवाणी और बाज़ार-संबंधन के माध्यम से प्रति वर्ष केवल 5,000 रुपये भी बचा दे। उन्होंने महाराष्ट्र की 500 करोड़ रुपये की MahaAgri-AI नीति 2025–29 को एक आदर्श मॉडल के रूप में उद्धृत किया और कहा कि केंद्र ऐसी राज्य-स्तरीय पहलों को समन्वित और बढ़ावा देगा।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट 2026–27 में 'Bharat-VISTAAR' नामक एक बहुभाषी AI उपकरण का प्रस्ताव रखा गया है, जो AgriStack पोर्टल और ICAR के कृषि-प्रथा पैकेज को AI प्रणालियों के साथ एकीकृत करके अनुकूलित सलाह-सहायता प्रदान करेगा और खेती-जोखिम को कम करेगा। उनका जोर छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट AI मॉडलों पर है, जो भारतीय मिट्टी के प्रकारों, जलवायु क्षेत्रों और फसल-किस्मों पर प्रशिक्षित हों और मोबाइल फोनों और खेती उपकरणों के माध्यम से कम-कनेक्टिविटी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में भी तैनात किए जा सकें।एक संघीय राष्ट्रीय ढांचे की आवश्यकता पर जोर देते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि कृषि-डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे MahaAgriX को एक राष्ट्रीय Agri Data Commons में विकसित होना चाहिए। उन्होंने हितधारकों से एक प्रस्तावित राष्ट्रीय Agri-AI अनुसंधान नेटवर्क में योगदान करने का आह्वान किया।

आईसीएमआर ने अगली पीढ़ी के अनुसंधान प्रमुखों को आगे बढ़ाने के लिए संवाद 2026 का आयोजन किया

तीन दिवसीय सम्मेलन ने उच्च गुणवत्ता वाले डॉक्टरेट अनुसंधान, नवाचार और सहयोगात्मक ज्ञान आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के अंतर्गत भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने 19 से 21 फरवरी 2026 तक आईसीएमआर-राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), नई दिल्ली में संवाद 2026 (स्कॉलर्स असेंबली फॉर नेक्स्ट जेन वेंचर्स टू एडवांस दियर डेवलपमेंट) का आयोजन किया।

संवाद आईसीएमआर की एक वार्षिक पहल है। यह बारी-बारी से आयोजित किए जाने वाला एक राष्ट्रीय सम्मेलन है। इसका आयोजन हर साल आईसीएमआर के विभिन्न संस्थानों द्वारा किया जाता है। इसका उद्देश्य नेटवर्क में डॉक्टरेट शोधार्थियों के साथ निरंतर जुड़ाव को बढ़ावा देना है। अपने संगठन का विस्तार करके, यह पहल संस्थागत सहयोग को मजबूत करती है और विविध अनुसंधान प्रणालियों के प्रति जागरूकता बढ़ाती है। आईसीएमआर-राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान में पहले संस्करण के सफल आयोजन के बाद, संवाद का 2027 संस्करण आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित किया जाएगा।

संवाद का उद्देश्य डॉक्टरेट अनुसंधान अध्ययनों की गुणवत्ता में सुधार करना, युवा शोधकर्ताओं को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करना और भारत के राष्ट्रीय ज्ञान तंत्र को मजबूत करना है। यह मंच आईसीएमआर के पीएचडी छात्रों के बीच डॉक्टरेट की गंभीरता, अनुसंधान क्षमता, नवाचार उन्मुखीकरण और नेतृत्व तत्परता को बढ़ाता है, साथ ही शिक्षा, उद्योग और नीति जगत के अग्रणी विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग, सहयोग और सार्थक संवाद के लिए संरचित अवसर प्रदान करता है। संवाद 2026, तीन दिवसीय कार्यक्रम, में देश भर से लगभग 400 डॉक्टरेट छात्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक, नीति निर्माता, शिक्षाविद और अनुसंधान नेता एक साथ आए।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट और प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। पद्म श्री प्रोफेसर अनिल कुमार गुप्ता, जो हनी बी नेटवर्क, सृष्टि, ज्ञान और एनआईएफ के संस्थापक हैं, ने विद्वानों को सामाजिक आवश्यकताओं और जमीनी स्तर पर नवाचार पर आधारित अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित किया। अनुसंधान में नवाचारः सामाजिक आवश्यकताओं और उद्योग की तत्परता को जोड़ना विषय पर सत्र में, कम्युनिटी एम्पावरमेंट लैब के संस्थापक डॉ. विश्वजीत कुमार ने ज्ञान को ठोस सामुदायिक प्रभाव में बदलने पर जोर दिया। नैदानिक अनुसंधान पर एक प्रभावशाली सत्र में, पद्म श्री प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद ने सार्थक स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रयोगशाला और रोगी के बीच समन्वय स्थापित करने पर महत्व दिया।

स्वास्थ्य संचार - प्रभाव के लिए विज्ञान विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र एक प्रमुख आकर्षण था। इन चर्चाओं में इस बात पर जोर दिया गया कि अनुसंधान नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए, जनविश्वास बढ़ाए और समुदायों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। सत्र में इस बात पर बल दिया गया कि प्रभावशाली अनुसंधान प्रकाशन के साथ समाप्त नहीं होता; इसे नीति, व्यवहार और सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए रणनीतिक, स्पष्ट और प्रेरक तरीके से बताया जाना चाहिए।

अंतिम दिन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल के साथ एक बहुप्रतीक्षित टाउन हॉल का आयोजन किया गया। इस संवादात्मक चर्चा में विज्ञान-नीति संबंधों, अनुसंधान वित्तपोषण की स्थिति और युवा शोधकर्ताओं के लिए उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "मैं विद्वानों से आग्रह करता हूं कि वे गंभीर और सार्थक अनुसंधान करें और जिसे मैं 'औपचारिक अनुसंधान' कहता हूं, उससे बचें। मैं आपको न्यूनतम पीएचडी आवश्यकताओं से आगे बढ़कर उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र लिखने में स्वेच्छा से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। दबाव और तनाव में अंतर होता है, और शोधकर्ताओं को दोनों को रचनात्मक रूप से प्रबंधन करना सीखना चाहिए।"

डॉ. केयूर पारेख, डॉ. कविता सिंह, प्रो. मनोज धर और डॉ. नीरू सैनी सहित उद्योग और अकादमिक प्रमुखों ने वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान, फार्मास्युटिकल नवाचार, अंतःविषय सहयोग और विविध कैरियर मार्गों के बारे में मूल्यवान विचार प्रकट किए।

व्यवस्थित समीक्षा और साक्ष्य संश्लेषण, राष्ट्रीय अनुसंधान संसाधन (एनएएमएस, ओएनओएस, इन्फ्लिबनेट) और ₹पीएच.डी. के बाद क्या? करियर के रास्ते और विकल्प₹ जैसे विषयों पर आयोजित तकनीकी सत्रों ने विद्वानों को अकादमिक, उद्योग और नीतिगत क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए व्यावहारिक माध्यम प्रदान किए। इन सत्रों ने राष्ट्रीय अनुसंधान सहायता प्रणालियों के बारे में जागरूकता और उनके उपयोग को भी मजबूत किया, जिससे जानकार और भविष्य के लिए तैयार शोधकर्ताओं को प्रोत्साहन मिला।

विद्वानों ने "Mindstorm@ICMR" रिसर्च क्विज 2026 में उल्लेखनीय उत्साह और बौद्धिक जोश के साथ भाग लिया, साथ ही मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति सत्रों में भी हिस्सा लिया। इन मंचों ने न केवल विभिन्न संस्थानों में डॉक्टरेट अनुसंधान की गहराई और विविधता को प्रदर्शित किया, बल्कि सहकर्मी शिक्षण, विशेषज्ञ प्रतिक्रिया और अंतरविषयक सहयोग के अवसर भी प्रदान किए, जिससे यह सम्मेलन वैज्ञानिक अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता का एक सजीव समारोह बन गया।

अपने समापन भाषण में, आईसीएमआर-एनआईएमआर के निदेशक डॉ. अनुप अन्विकर ने शोधार्थियों के समर्पण और विद्वतापूर्ण उत्कृष्टता की सराहना की। उन्होंने कहा, "मैं संवाद 2026 को एक विशिष्ट और दूरदर्शी मंच के रूप में देखता हूं जो पीएचडी शोधार्थियों के बीच सार्थक शोध नेटवर्किंग, अंतःविषय संवाद और सहयोगात्मक विकास को बढ़ावा देता है। मुझे आशा है कि आने वाले वर्षों में इसी तरह की पहल को अन्य आईसीएमआर संस्थानों में भी अपनाया और संस्थागत रूप दिया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय अनुसंधान तंत्र मजबूत होगा और वैज्ञानिक नेताओं की अगली पीढ़ी का विकास होगा।"

सम्मेलन का समापन एक विदाई सत्र और पुरस्कार समारोह के साथ हुआ, जिसमें उत्कृष्ट शोध प्रस्तुतियों और विद्वतापूर्ण योगदानों को सम्मानित किया गया।

भारतीय उच्चायुक्त ने की बांग्लादेश के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात, पाकिस्तान को मिर्ची लगना तय

ढाका। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को कहा कि भारत ने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की है। वर्मा ने बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान और राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की।

वर्मा ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा , 'बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद नए विदेश मंत्री और राज्य मंत्री के साथ यह मेरी पहली मुलाकात थी। इसलिए, यह एक औपचारिक मुलाकात और विचारों के प्रारंभिक आदान-प्रदान तक ही सीमित रही।'

पीएम मोदी ने रहमान को भेजा बधाई संदेश, फोन पर भी की बात

प्रणय वर्मा ने कहा, 'चुनाव के बाद से बांग्लादेश के साथ हमारे हालिया उच्च स्तरीय संवादों से आप अवगत हैं। 13 फरवरी को चुनाव के तुरंत बाद भारत के प्रधानमंत्री ने तारिक रहमान को बधाई संदेश भेजा। उसी दिन दोनों ने फोन पर भी बात की। 17 फरवरी को जब नई सरकार ने शपथ ली, तो हमारे लोकसभा अध्यक्ष भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ढाका गए।'

उन्होंने कहा, 'ओम बिरला ने नए प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। बैठक के दौरान, हमारे अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी का एक पत्र पीएम तारिक रहमान को सौंपा।' भारतीय राजदूत ने आगे कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है और सहयोग को सुदृढ़ करना चाहता है।

लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश का समर्थन

वर्मा ने कहा, 'इन सभी संवादों में हमने बांग्लादेश के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने और अपने बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने की इच्छा व्यक्त की। हमने एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।'

भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, 'विदेश मंत्री के साथ आज हुई बैठक में मैंने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ सहयोग करने की अपनी तत्परता को दोहराया। मैंने उन्हें बताया कि हम आपसी हित और लाभ के आधार पर सकारात्मक, रचनात्मक और प्रगतिशील तरीके से मिलकर काम करते हुए सभी क्षेत्रों में जन-केंद्रित सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं।'

रहमान के शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे ओम बिरला

इससे पहले 18 फरवरी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ढाका में बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से तारिक रहमान को जल्द से जल्द भारत आने का व्यक्तिगत निमंत्रण दिया था।

बिरला ने तारिक रहमान को हार्दिक बधाई दी और दोहराया कि भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए बांग्लादेश के प्रयासों का समर्थन करने के लिए तत्पर है। उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थायी साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

नेतन्याहू ने पीएम मोदी के इस्राइल दौरा को बताया अहम, कहा- एआई और क्वांटम को लेकर होगी बात

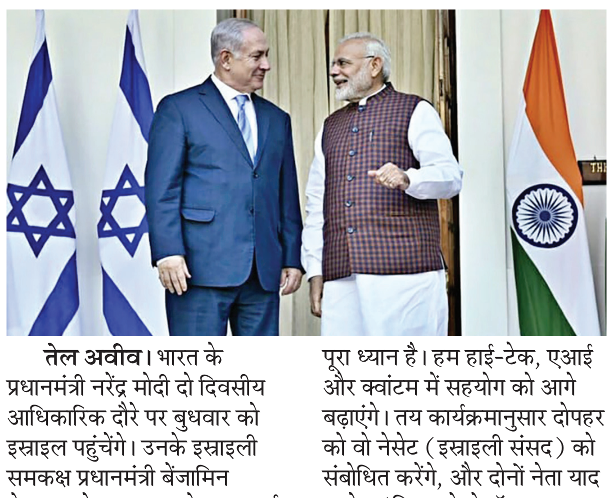

तेल अवीव। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर बुधवार को इस्राइल पहुंचेंगे। उनके इस्राइली समकक्ष प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस यात्रा को महत्वपूर्ण बताया है। उनके अनुसार, इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनयिक और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा। विशेष रूप से हाई-टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), और क्वांटम टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों पर फोकस रहेगा। नेतन्याहू के अनुसार, ये भारत-इस्राइल संबंधों को नई दिशा देगा।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साप्ताहिक कैबिनेट मीटिंग में ये बातें कहीं। नेतन्याहू ने कहा, सहयोग के एक और खास क्षेत्र पर भी मेरा पूरा ध्यान है। हम हाई-टेक, एआई और क्वांटम में सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। तय कार्यक्रमानुसार दोपहर को वो नेसेट (इस्राइली संसद) को संबोधित करेंगे, और दोनों नेता याद वाशेम (विश्व होलोकॉस्ट स्मरण केंद्र) जाएंगे और यरुशलम में एक इनोवेशन इवेंट में शामिल होंगे।

नेतन्याहू ने भारत के साथ मिलकर चरमपंथ के खिलाफ सशक्त समूह बनाने की बात की। उन्होंने कहा इस्राइल "मिडिल ईस्ट के आसपास या अंदर एक पूरा सिस्टम बनाएगा—असल में गठबंधनों का एक तरह का हेक्सागन, जिसमें भारत, ग्रीस, साइप्रस और बिना नाम वाले अरब, अफ्रीकी और एशियाई देशों का नाम शामिल है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्मदिवस पर भाजपा सिविल लाइन मंडल द्वारा हवन-पूजन आयोजित

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी सिविल लाइन मंडल द्वारा विष्णु देव साय के जन्मदिवस के अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना के लिए हवन–पूजन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रियदर्शिनी कॉलोनी स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर तथा जिला उपाध्यक्ष ललित जैसिंघ के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के साथ–साथ छत्तीसगढ़ राज्य के निरंतर विकास एवं समृद्धि की कामना की।

मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार कुकरेजा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्षद अमर गिदवानी, पार्षद एवं जोन अध्यक्ष सचिन मेघानी, पार्षद श्रीमती संजना संतोष हियाल, शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक कांतिलाल जैन, शैलेन्द्र सिंह सोमवंशी, श्रीमती पदमा साहू (महामंत्री), थानूराम पटेल, कमल रंधावा, सूरज यादव, कुंदन दाऊ ठाकुर, गौरी महानंद, प्रशांत जगत, दीपक पाठक, प्रकाश जोशी, राजेश ठाकुर, राजेंद्र डडसेना, शंकर अरोरा, शेरू ध्रुव, श्रीमती निशा प्रधान, लीला धनगर, मीना निषाद, उमेश्वरी मोगराज, माधुरी जैन, प्रमिला, आशा यादव, मनीष तलरेजा, लवी ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश की उन्नति एवं जनकल्याण के कार्य निरंतर आगे बढ़ने की कामना करते हुए राष्ट्र एवं समाज की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कलिंगा विश्वविद्यालय में सतत भविष्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलिंगा विश्वविद्यालय के कला एवं मानविकी संकाय द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 20 व 21 फरवरी, 2026 को किया गया। इसका विषय था – सस्टेनबल फ्यूचर: कल्चर, सोसायटी एंड गवर्नेंस इन ट्रांजिसन।

उद्घाटन सत्र में उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने बतौर मुख्य अतिथि और जनसंपर्क विभाग के अपर निदेशक डॉ. आलोक देव ने बतौर विशिष्ट अतिथि, कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संदीप अरोरा, कुलपति डॉ. आर.श्रीधर, कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का विधिवत् उद्घाटन किया तथा शोध पत्रों की संकलित पुस्तक का विमोचन किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के सूचना आयुक्त डॉ शिरीश चंद्र मिश्रा और विशिष्ट अतिथि साहित्य अकादमी के सदस्य प्रोफेसर सियाराम शर्मा रहे।

आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा– विकास तभी सतत माना जाएगा जब वह पर्यावरण की रक्षा करे, समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चले और पारदर्शी व जवाबदेह शासन पर आधारित हो। इसी उद्देश्य से यह संगोष्ठी महत्वपूर्ण है। बेहतर भविष्य के लिए संस्कृति, समाज और शासन का समन्वय आवश्यक है। संस्कृति हमें प्रकृति के प्रति सम्मान सिखाती है, जिसका उदाहरण छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपराएँ हैं, यहां लोग पीढ़ियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जी रहे हैं। राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों की शिक्षा, छात्रवृत्ति, महिला स्वास्थ्य और ग्रामीण–जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं। ई–ऑफिस, ऑनलाइन सेवाएँ और डिजिटल प्रबंधन प्रणाली सुशासन को अधिक पारदर्शी बना रही हैं। पर्यावरण, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण और सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर केंद्रित पाठ्यक्रम समय की आवश्यकता है। दक्षिण–पूर्व भारत में कृषि आधारित उद्योग, वन उपज, हस्तशिल्प और इको–टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय कौशल व तकनीक के समन्वय से रोजगार और प्रकृति संरक्षण दोनों संभव हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की ई-स्मारिका का किया विमोचन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा आज दिनांक 22 फरवरी, 2026 को होटल बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में भारत के मुख्य न्यायमूर्ति माननीय श्री न्यायमूर्ति सूर्यकांत के सम्मान में एक गरिमामय अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

उपरोक्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्चतम न्यायालय के माननीय श्री न्यायमूर्ति पमिदिघनतम श्री नरसिम्हा तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं विशेष अतिथि के रूप में माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायमूर्ति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आज छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की ई–स्मारिका का डिजिटल विमोचन किया। 卐नर्चरिंग द फ्यूचर ऑफ द ज्यूडिशियरी卐 शीर्षक वाली यह डिजिटल प्रकाशन 2003 में अपनी स्थापना के बाद से अकादमी की उत्कृष्टता की यात्रा का स्मरण कराती है।

अपने स्वागत भाषण में माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों तथा न्यायिक निष्पक्षता के प्रति गहन प्रतिबद्धता संपूर्ण न्यायिक समुदाय को प्रेरित करती है। माननीय न्यायाधीश की उपस्थिति छत्तीसगढ़ की न्यायपालिका के लिए गौरव और प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हम आज एक ऐतिहासिक पल के साक्षी हैं– ई–स्मारिका के जो छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की परिवर्तनकारी यात्रा को सुंदर रूप में प्रस्तुत करती है। यह अकादमी राज्य में न्यायिक उत्कृष्टता की आधारशिला है। साधारण प्रारंभ से आधुनिक विधिक प्रशिक्षण के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित होने तक की इसकी यात्रा एक सक्षम और सुदृढ़ न्यायपालिका के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह ई–स्मारिका मात्र एक डिजिटल दस्तावेज नहीं बल्कि न्यायिक शिक्षा के प्रति हमारे समर्पण आधारभूत संरचना के विकास तथा डिजिटल युग के अनुरूप हमारे अनुकूलन का सजीव दस्तावेज है। माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने माननीय न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा माननीय न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा का भी हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व विधि के शासन के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

सशक्त समाज निर्माण में शिक्षा और संगठन की भूमिका अहम : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बलौदा बाजार जिले के ग्राम चांपा में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के दो दिवसीय 80वें महाअधिवेशन में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक डॉ. खूबचंद बघेल की पुण्य तिथि पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा समाज की विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मनवा कुर्मी समाज को परिश्रमी, संगठित और उन्नत कृषक परंपरा वाला समाज बताते हुए कहा कि समाज का योगदान राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने 80वें महाअधिवेशन की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मेल–मिलाप, समन्वय और सकारात्मक निर्णयों को बढ़ावा देते हैं, जिसका लाभ पूरे प्रदेश और देश को मिलता है।

प्रेस टीम के कैप्टन का स्नेहिल मिलन में सड़क सुरक्षा का संकल्प, रायपुर प्रेस क्लब की अनूठी पहल

कुलदीप निगम स्मृति इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट के कप्तानों का सम्मान, यातायात जागरूकता अभियान पर जोर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित स्वर्गीय कुलदीप निगम स्मृति इंटरप्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत आज टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 22 टीमों के कप्तानों का स्नेहिल मिलन एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पुलिसङ्कपत्रकार सहयोग के माध्यम से यातायात सुरक्षा और सड़क जागरूकता के विशेष अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल खेल भावना को प्रोत्साहित करना नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस संदेश देना रहा। इसी क्रम में सभी 22 कप्तानों को हेलमेट प्रदान कर सुरक्षित ड्राइविंग की शपथ दिलाई गई।

सुरक्षा ही सच्ची श्रद्धांजलि

स्वर्गीय कुलदीप निगम का असामयिक निधन सड़क दुर्घटना में हुआ था। उनकी स्मृति में आयोजित इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हेलमेट पहनना जीवन रक्षा का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। प्रेस क्लब ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

पुलिस अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विवेक कुमार शुक्ल, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (यातायात) गुरुजीत सिंह, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (यातायात) उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि मीडिया समाज का मार्गदर्शक होता है, ऐसे में पत्रकारों द्वारा सड़क सुरक्षा का संदेश देना अत्यंत प्रभावी साबित होगा। उन्होंने हेलमेट की अनिवार्यता और यातायात नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया।

22 कप्तानों का सम्मान

समारोह में जिन कप्तानों को हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया, उनमें अनिल पुसदकर, राम अवतार तिवारी, मोहन तिवारी, मृगेंद्र पांडेय, रामेश्वर मिश्रा (आईबीसी 24), तन्मय (एस जर्नो), चंदन साहू (नवभारत), कौशल स्वर्णबेर (दैनिक भास्कर), मोहित सेंगर (डीबी डिजिटल), दिनेश (पत्रिका), संजय बनवासी (हरिभूमि), मनोज सिंह बघेल (लल्लूराम डॉट कॉम), जयप्रकाश मिश्रा, जितेन्द्र सिंह दहिया, इम्तियाज अंसारी, रामप्रसाद दूबे, विक्रम साहू, शंभू राही, सरनजीत सिंह तेतरी, ताकेश्वर साहू, निशा द्विवेदी एवं शुभ्रा नंदी शामिल रहे।

प्रेस क्लब पदाधिकारियों की सहभागिता

कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा भारतीय, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि खेल के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देना हमारी प्राथमिकता है। कुलदीप निगम की स्मृति में सड़क सुरक्षा का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि हर व्यक्ति सुरक्षित रहे और हर सफर सुरक्षित बने।

कार्यक्रम में विशेष रूप से आयोजन समिति के संयोजक विजय मिश्रा,, आयोजक गण राजेंद्र निगम, संदीप पुराणिक ,वीरेंद्र शर्मा एवं अशोक दीवान के साथ अख्तर हुसैन और बल्ला तिवारी संतोष साहू शामिल थे। कार्यक्रम का समापन सुरक्षित यातायात के संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

परीक्षा पूर्व विद्यार्थियों के लिए 'हेल्पलाइन 2026' मार्गदर्शन एवं परामर्श की सशक्त पहल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2026 के विद्यार्थियों की शंकाओं के समाधान हेतु हेल्पलाइन 2026 का संचालन परीक्षा के एक दिवस पूर्व प्रभावी रूप से किया जा रहा है। यह हेल्पलाइन 05 फरवरी 2026 से मण्डल की अध्यक्ष रेणु जी. पिल्ले एवं सचिव पुष्पा साहू के निर्देशन में निरंतर संचालित है, जिससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ–साथ मानसिक संबल भी प्राप्त हो रहा है।

विषय-विशेषज्ञों की सहभागिता से मिला सटीक एवं विषयवार मार्गदर्शन

21 फरवरी 2026 को राजनीति शास्त्र, रसायन शास्त्र, लेखा शास्त्र, फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र, वस्तु चित्रण एवं आलेखन तथा शरीर क्रिया विज्ञान एवं प्राथमिक चिकित्सा (फिजियोलॉजी एण्ड फर्स्ट एड) विषयों के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर सुनिता पाण्डेय, आस्था निगम, सोमा बनिक, अर्पणा तिवारी, नम्रता तिवारी, रंजना ठाकुर, राजकुमार गेन्ड्रे, निशा सिंह, दीपा साखरकर एवं सहायक प्राध्यापक अखिलेश वामनगड़े ने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कीं।

प्रश्नपत्र पैटर्न, सिलेबस एवं उत्तर लेखन शैली को लेकर विद्यार्थियों की जिज्ञासाएँ

हेल्पलाइन के माध्यम से विद्यार्थियों ने रसायन शास्त्र के वैद्युत रसायन, आयोडोफॉर्म अभिक्रिया, नेमिंग अभिक्रिया तथा जैव अणुओं से संभावित प्रश्नों के स्वरूप के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने यह भी पूछा कि क्या प्रश्न सिलेबस से बाहर आएंगे तथा मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों को सिलेबस की पूर्ण जानकारी होगी या नहीं।

इसके अतिरिक्त प्रश्नपत्र के ब्लूप्रिंट, परीक्षा पैटर्न, कम्प्यूटर विषय की तैयारी, कम्पनी लेखा पाठ से संभावित प्रश्न तथा उत्तर कैसे लिखें कि पूर्ण अंक प्राप्त हो सकेंकृइन विषयों पर भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। कुछ विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण प्रश्नों के संबंध में जानकारी चाही, वहीं एक छात्र ने कम समय में प्रभावी तैयारी कैसे की जाए, इस विषय में सलाह प्राप्त की। सभी जिज्ञासाओं का समाधान विषय विशेषज्ञों द्वारा सरल, स्पष्ट एवं प्रेरणादायक ढंग से किया गया।

660 कॉल्स के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचा मार्गदर्शन

21 फरवरी 2026 तक हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1800–233–4363 पर कुल 660 कॉल प्राप्त हुए। प्रत्येक कॉल का सुव्यवस्थित रूप से निराकरण कर विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक एवं परामर्शात्मक सहयोग प्रदान किया गया।

हेल्पलाइन का संचालन उपसचिव डॉ. बी. रघु के मार्गदर्शन में तथा हेल्पलाइन समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार साहू के समन्वय से किया जा रहा है। मण्डल की यह पहल परीक्षा पूर्व विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, स्पष्टता एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

बाबा गुरू घासीदास जी के बताए मार्ग पर काम कर रही हमारी सरकार - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को बाबा गुरु घासीदास जी की जन्मभूमि एवं तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में आयोजित संत समागम एवं गुरुदर्शन मेला में शामिल हुए। उन्होंने पूज्य गुरुगद्दी का दर्शन एवं पूजा – अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिये कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बाबा गुरू घासीदास के मनखे– मनखे एक समान का सन्देश, मानव को मानव से जोड़ने वाला और सद्भाव व समरसता बढ़ाने वाला है। बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग पर हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के द्वारा गिरौदपुरी का सतत् विकास किया जा रहा है। विशाल जैतखाम निर्माण से लेकर अनेक सुविधाओं का विस्तार यहां किया गया है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा किये गए जनसुविधा विस्तार कार्य की सराहना की और कहा कि वेबसाईट और मोबाइल एप्प से भी मेले में उपलब्ध सुविधा की जानकारी श्रद्धालु ले सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कारीडोंगरी-दरवाजा में निर्माणाधीन पुल का किया निरीक्षण

लोरमी (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक अरुण साव ने लोरमी प्रवास के दौरान ग्राम कारीडोंगरी एवं दरवाजा के बीच मनियारी नदी पर निर्माणाधीन पुल का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान श्री साव ने पुल निर्माण की धीमी गति पर कड़े शब्दों में नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि, अब तक पुल का निर्माण पूर्ण हो जाना चाहिए था, लेकिन नहीं हुआ है। समय सीमा से काफी पीछे हैं। कम मजदूरों से समय पर काम पूर्ण कैसे होगा।

श्री साव ने मौके पर मौजूद अधिकारी से कहा कि, बारिश के पूर्व पुल का निर्माण किसी भी स्थिति में पूरा हो जाना चाहिए, क्योंकि वनांचल के ग्रामीणों को बारिश में बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है, पुल नहीं होने से ग्रामीणों का संपर्क कट जाता है। वहीं धीमी गति से निर्माण पर ठेकेदार की सिर्फ नोटिस से काम नहीं चलेगा, पेनाल्टी की आवश्यकता हो तो वो भी लगाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा, यह बहुप्रतीक्षित पुल बन जाने से बड़ी राहत मिलेगी, इसके निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444